विषय वस्तु

गवर्नर मंडल.. 1

निदेशक संदेश 2

आईआईएम उदयपुर के संबंध में 4

कार्यक्रम 6

संकाय सदस्य 22

अनुसंधान एवं प्रकाशन 24

उत्कृष्टता के केंद्र 28

छात्र क्रियाकलाप 30

उद्योग संयोजन 42

वैश्वीकरण 43

मूलभूत सुविधाएँ 44

वित्तीय विवरण 48

गवर्नर मंडल

चेयरमैन

श्री सी.के.बिड़ला

चेयरमैन

हिन्दुस्तान मोटर्स लिमिटेड

सदस्य

श्री राजीव बजाज
प्रबन्ध निदेशक
बजाज ऑटो लिमिटेड

श्री अर्जुन मल्होत्रा
संस्थापक
एचसीएल इन्फोसिस्टम्स

श्री सी. के मैथ्यू
मुख्य सचिव
राजस्थान सरकार

श्री याद राम मीणा
सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश
गुजरात उच्च न्यायालय

श्री के.के. नोहरिया
सलाहकार
क्रॉम्पटन ग्रिव्ज लिमिटेड

श्री राजेन्द्र एस. पवार
चेयरमैन
एनआईआईटी लिमिटेड

डॉ. एम.एम. सालुंके
कुलपति
राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

श्री राजीव स्वरूप
मुख्य सचिव
तकनीकी शिक्षा
राजस्थान सरकार

श्री अशोक ठाकुर
विशिष्ट सचिव
मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय
भारत सरकार

श्री योगेन्द्र त्रिपाठी
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन
एवं विकास मंत्रालय
भारत सरकार

डॉ.वी.एस. व्यास
सदस्य
प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार

श्री बुर्ज़िन वाडिया
कार्यकारी व्यवस्थापक
गोदरेज एप्लायेन्सेस लिमिटेड

प्रो. जनत शाह
निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान
उदयपुर

निदेशक सन्देश :

अपनी स्थापना के बाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर (IIMU) ने शिक्षण और अनुसंधान के रूप में दो स्तंभों की उत्कृष्टता पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है जिससे आने वाले समय में संस्थान का नाम स्थापित करने में मदद मिलेगी। शीर्ष स्तरीय अंतराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन और वैश्विक मानक के लिए परिसर में अनुसंधान प्रयासों को लक्षित किया गया हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें विश्व नेतृत्व के साथ सहयोग में काम करने की आशा है। इन संगठनों में से कुछ जैसे ड्यूक विश्वविद्यालय और पर्ड्यू विश्वविद्यालय के साथ हमने सहयोग के माध्यम से जगह पहले से ही बना ली हैं और हम भविष्य में ऐसे और अधिक अवसर पैदा करने के लिए तत्पर हैं। परिसर के भीतर, हम संकाय विकास पर एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम रखते हैं जिसमे हमारा उद्देश्य उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रोत्साहित करना और पहचान बनाना है। अधिकांशतया दस साल पहले से ही अपनी यात्रा शुरू कर चुके है जिससे उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में अभिनेता के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। वे शीर्ष संस्थानों के अनुभवी और वरिष्ठ संकाय सदस्यों से सलाह ले रहें है और वे नवीनतम ज्ञान और अनुसंधान को बनाने और उसको प्रसारित करने के लिए परिसर के उत्कृष्टता के विभिन्न केन्द्रों का लाभ उठा सकते हैं।

हमने आईआईएम उदयपुर की यात्रा की शुरूआत जब से की तब से हमने जाना की हर एक व्यापारिक परिदृश्य को निरंतर विकसित करने से पहले उसमे जटिलताएँ और अनिश्चितताएँ होती हैं। आज पहले से कही ज्यादा ज्ञान, कौशल एवं विभिन्न विषयों के बहुआयामी परिपेक्ष्य के साथ शक्तिशाली उद्योगपतियों की आवश्यकता हैं। केवल ऐसे लोग ही उन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे, जो चुनौतियाँ रोजमर्रा व्यापारिक जगत द्वारा उनके प्रबंधको को दी जाती हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर में ऐसा ही पाठ्यक्रम उन प्रबंधको व व्यापार जगत के उद्योगपतियों को मद्देनजर रखकर रूपांकित किया हैं जिससे वे आत्मविश्वास के साथ इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो पायेंगे। हमारा पूर्ण उद्देश्य उद्योग जगत को ध्यान में रखते हुए शिक्षण और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं में प्रशिक्षण प्रदान करना हैं।

हमने हमारा पाठ्यक्रम पूर्णरूपेण योजनानुरूप बनाया हैं और यह आधिक्य हमें समृद्धता के मार्ग की ओर प्रशस्त व ढालने की अनुमति प्रदान करता हैं जो अन्यत्र संभव नहीं हैं जो पारम्परिक लेकिन आवश्यक शिक्षण, विषयों, समसामयिक मुद्दों और भविष्य की प्रवृत्तियों के लिए सक्षम बनाया गया हैं। आईआईएमयू के हृदयागत शिक्षण व वितरण के तीन पहलू हैं : तल्लीनता (Immersion), विश्लेषणात्मकता व उद्यमिता। तल्लीनता के माध्यम से छात्रों में वास्तविक जीवन परिवेश व उनकी प्रवीणता को निखारना हैं। हमारी वैश्विक तल्लीनता की पहलकदमी छात्रों के लिए ऐसा सुनिश्चित खाका तैयार करती हैं जिसमें वे एक वैश्विक कार्यस्थल के विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं। एक अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के अलावा, हम एक वैश्विक तल्लीनता कार्यक्रम की भी रूपरेखा तैयार कर चुके हैं जिसके अंतर्गत छात्रों में से 50 प्रतिशत छात्र अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में जीवंत परियोजनाओं पर काम करेंगे। हम और भी कार्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहे हैं जिसमें ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रम के तहत छात्रों को गैर सरकारी संगठन (NGO) के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारत को समझना व सामाजिक सवेंदनशीलता को विकसित करना हैं तथा उत्पादक और उपभोक्ता के बारे में अपना दृष्टिकोण किसी पिरामिड में निम्न से शिखर तक विकसित करना हैं। हमारे तल्लीनता कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत हमने संरचित प्रक्रियाओं का

समावेश किया हैं जो यह सुनिश्चित करता हैं की छात्र टीम रूप में काम कर सीख सकेंगे। ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ आई डाटा की बाढ़ को मद्देनजर रखते हुए हमने पहले से ही विश्लेषणात्मक (Analytics) शुरूआत कर दी हैं जो केन्द्र स्तर पर निर्णय लेने में सामर्थ्यवान बनाएगी। आईआईएमयू ने छात्रों में विश्लेषणात्मक क्षमताओं के निर्माण के लिए ब्लूमबर्ग लैब और कोर्सवर्क डेवलपमेन्ट दोनों के माध्यम से उनके ढांचागत विकास में महत्त्वपूर्ण निवेश किया हैं। आईआईएमयू का तीसरा प्रमुख ध्यान देने वाला क्षेत्र उद्यमिता (Entrepreneurship) हैं। उद्यमिता को विभिन्न आयामों के तहत बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक उद्यमिता, सामजिक उद्यमिता और उद्यमिता के अनुशीलन को समाविष्ट किया हैं।

यहाँ आईआईएमयू में कई क्लब हैं और पाठ्येत्तर वातावरण छात्रों में टीम निर्माण और नेतृत्व कौशल में पैनापन लाने के लिए एक जीवंत स्थान हैं। हमने अपने छात्रों को सम्पूर्ण विश्व और एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व यूरोप और भारत में स्थित कंपनियों में अपनी ग्रीष्मकालिन इंटर्नशिप में उत्कृष्टता के साथ इस दृष्टिकोण से लाभ लेना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों की प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि हमारे छात्रों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है जो हमारे दृष्टिकोण और अथक प्रयासों का एक प्रमाण है। सारांश में हमारा पाठ्यक्रम व प्रक्रियाओं का निर्माण यह सुनिश्चित करता हैं कि जब हमारा छात्र परिसर छोड़ कर जायेगा तो वह ज्ञान, कौशल और वर्तमान व भविष्य की प्रबंधकीय चुनौतियों को संभालने के लिए आवश्यक दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से तथा सफलतापूर्वक आवश्यकतानुरूप सुसज्जित करने में सक्षम होंगे।

आईआईएमयू स्थानीय उद्योग, गैर सरकारी संगठनों और सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए विभिन्न पहलुओं के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता ओर सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत है। गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय उद्योग के साथ चल रही परियोजनाओं व सहयोग और साथ ही साथ क्षेत्र के लिए नीति बनाने में सलाहकार की भूमिका जैसे कुछ तरीके हैं जिसमें इन संगठनों ने लाभ लेना शुरू कर दिया है। इस क्षेत्र के लिए आईआईएमयू की प्रतिबद्धता भारत के लिए एक बड़ी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। 2025 तक परिसर पर 1200 छात्रों के होने का एक दृष्टिकोण के साथ, आईआईएमयू भी भारत की अर्थव्यवस्था को शक्ति व प्रबंधकीय प्रतिभा देने के लिए योगदान करना चाहता हैं।

इस वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से आप सभी को आईआईएम उदयपुर के समस्त प्रमुख पहलुओं को समझने और संस्थान उत्कृष्टता को प्राप्त करने के लिए कैसे कदम उठा रहा हैं जो की हमारी दूरदर्शिता का एक हिस्सा हैं कि जानकारी विस्तृत रूप में प्राप्त होगी। हम अभी शुरूआती दौर से है और आज जो हम करते है, वह आगामी वर्षों में संस्थान के लिए बुनियाद रखेगा।

धन्यवाद्

जनत शाह
निदेशक

आईआईएम उदयपुर के संबंध में

भारत सरकार द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थानों को स्थापित करने का उद्देश्य भारतीय छात्र समुदाय में उनकी बौद्धिक उपलब्ध प्रतिभा की पहचान करना व उन्हें विश्व में उपलब्ध सबसे अच्छी प्रबंधन तकनीकी में प्रशिक्षण प्रदान करना हैं ताकि अच्छे अभिजात वर्ग का पूल बन सके तथा ये भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों का नेतृत्व व प्रबंधन कर सकें। सभी आईआईएम देश की प्रबंधकीय जनशक्ति विकास में एक नेतृत्व की भूमिका निभाते है और उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान को कार्यान्वित करते हैं। इन संस्थानों को विश्व के सबसे अच्छे प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के रूप में मान्यता प्रदान हैं जहाँ शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और उद्योगों के साथ बातचीत की शिक्षा दी जाती हैं।

2009 में भारत सरकार ने आईआईएम उदयपुर सहित छः नए आईआईएम को शुरू करने का फैसला किया। आईआईएम उदयपुर सबसे नया आईआईएम हैं और जिसने वर्ष 2011 से एक अस्थाई परिसर पॉलीमर साइंस भवन जो मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (MLSU) में स्थित हैं से अपने संचालन की शुरूआत की। आईआईएम उदयपुर का नया परिसर बलीचा क्षेत्र में 300 एकड़ की जमीन पर आयेगा, जिसका आवंटन राजस्थान सरकार द्वारा किया गया है।

आईआईएम उदयपुर वर्तमान में अपने प्रमुख कार्यक्रम के रूप में, एक दो वर्ष का प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता हैं। आईआईएम उदयपुर में अध्यापन, वैश्विक परिवेश व व्यापार जगत में हो रहे बदलाव के अनुरूप नवीनतम प्रथाओं के साथ अद्यतन बनाये रखना हैं। पाठ्यक्रम में व्याख्यान दूसरे आईआईएम के विश्वप्रसिद्ध व गुणी (Practitioners) व्याख्याताओं द्वारा दिया जा रहा हैं।

आईआईएम उदयपुर का दार्शनिक दृष्टिकोण छात्रों में अपनेपन की भावना अंतर्निविष्ठ करना हैं, इस वजह से संस्थान अपनी समस्त गतिविधियों में शिक्षकों के साथ छात्र समुदाय को भी शामिल करता हैं।

आईआईएम उदयपुर की दूरदर्शिता (Vision)

आईआईएम उदयपुर का उद्देश्य प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना और ज्ञान का निर्माण व प्रसार कर नये कीर्तिमान स्थापित करना हैं। आईआईएम उदयपुर के गवर्नर मंडल (BOG) ने महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत कार्य करने का फैसला किया हैं। गर्वनर मंडल चाहता हैं कि आईआईएम उदयपुर 2020 तक भारत की एक अग्रणी वैश्विक संस्थान के रूप में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए पहचाना जाए। गवर्नर मंडल की चाह यह हैं कि आईआईएम उदयपुर उस पैमाने पर संचालित हो जिससे वह अपना प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बना सके।

दूरदर्शिता कार्यशाला (Visioning Workshop)

एक दिवसीय दूरदर्शिता कार्यशाला का आयोजन प्रो. टी.वी. राव के मार्गदर्शन में फरवरी 2013 को नियत स्थान पर समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया । कार्यशाला का उद्देश्य आईआईएमयू के सन्दर्भ में साझा दृष्टिकोण/दूरदर्शिता और कैसे पीजीपी कार्यक्रम को वास्तविक बदलाव कर सर्वोत्कृष्ट बनाया जाये के संबंध में सामूहिक सोच के लिए था। कार्यशाला की शुरूआत एक गतिविधि द्वारा की गई जिसमें आईआईएमयू के लिए दूरदर्शिता, मिशन, मूल्यों और संस्कृति से संबंधित हितकारकों की विभिन्न श्रेणियों से आये सुझावों के मार्फ़त स्थिरता लाना था। इनमें बोर्ड के सदस्यों, नियोक्ताओं एवं छात्रों को भी सम्मिलित किया गया था। इस प्रकार एकत्र सूचनाओं को कार्यशाला के दौरान चर्चा के लिए आधारभूत सामग्री/डेटा के रूप में इस्तेमाल किया गया। इस परिचर्चा को बने हुए समूहों के द्वारा विचार विमर्श कर आगे बढ़ाया गया। इसके बाद आईआईएम के मूल्यों के निर्धारण व प्रारूप के साथ आने के लिए एक प्रतिनिधि समूह का गठन किया गया।

शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड (Academic Advisory Board-AAB)

संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रथम खंड में खाका बनाया जिसमें बोर्ड ने एक शैक्षणिक सलाहकार परिषद् बनाने का निर्णय लिया जो गवर्नर मंडल (BOG) व निदेशक को शैक्षिक नीति, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और संबंधित मुद्दों में मार्गदर्शन देगी।

ऐऐबी (AAB) के कार्य

शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड की प्रमुख भूमिका यह होगी कि वह संस्थान को शैक्षणिक कार्यक्रमों की रूपरेखा व अनुसंधान गतिविधियों को प्रासंगिक, समकालीन व उत्कृष्ट बनाने के लिए मार्गदर्शन देगी।

विशेष रूप से गवर्नर मंडल (BOG) चाहता है कि शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड निम्न प्रक्रियाओं एवं प्रणालियों के निर्माण और समीक्षा में मदद करे :

- प्राध्यापक स्त्रोत, मूल्यांकन और अवधारणा (प्रोत्साहन सहित)।
- संस्थान, शैक्षणिक समूहों और प्रत्येक प्राध्यापक के लिए शैक्षणिक गतिविधि की मिश्रित योजना बनाना।
- पाठ्यक्रम की रूपरेखा और समीक्षा करना ताकि कार्यक्रम को उसके उद्देश्य की प्राप्ति हो सकें।
- पाठ्यक्रमों के उद्देश्यों को पाठ्यक्रम के निर्माण और अध्यापन–कला से मिलान करने में ।

शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड

प्रो. जाहर साहा
पूर्व निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

प्रो. मेंदू राममोहन राव
डीन एमेराइटस
इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB), हैदराबाद

प्रो. जय के. सेटीआ
वरिष्ठ निदेशक शैक्षणिक
पब्लिक हेल्थ फांउडेशन ऑफ इंडिया

प्रो. जॉन सी. केमिलस
चेयर प्रोफेसर
जोसफ एम काटज ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ बिज़नेस
यूनिवर्सिटी ऑफ़ पिट्सबर्ग

प्रो. रवि बापना
बोर्ड ऑफ ओवेरसीर्स प्रोफेसर
सूचना एवं निर्णय विज्ञान विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिनेसोटा

कार्यक्रम (Programmes)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (Post-Graduatde Programme in Management - PGP)

आईआईएम उदयपुर में संस्थान के प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम हैं। संस्थान की दूरदर्शिता समग्र, परिवर्तनकारी और अभिनव शिक्षा के माध्यम से मार्ग दर्शक (Leaders) व उद्यमियों का निर्माण करना हैं।

पीजीपी की अवधि में दो शैक्षिक वर्ष हैं। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में तीन पद (टर्म) हैं। इसके अलावा छात्रों को प्रथम वर्षोपरांत और द्वितीय वर्षारम्भ से पूर्व ग्रीष्मकालीन कार्यभार (Assignment) पूर्ण करना आवश्यक हैं।

प्रथम वर्ष के कार्यक्रम के अंतर्गत :

(अ) **अनुस्थान कार्यक्रम (Orientation Programme)** : इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को नवीन माहौल में सहज बनाना हैं। विशिष्ट उद्देश्य पीजीपी सामग्री और आईआईएमयू की शिक्षण से परिचित करना हैं।

(ब) **अनिवार्य कार्यक्रम (Compulsory Course)** : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कार्यक्रम आधारभूत नींव का निर्माण करना हैं।

(स) **ग्रीष्मकालिन इंटर्नशिप** : छात्रों को प्रथम व द्वितीय शैक्षणिक वर्ष के मध्य गर्मियों के दौरान कम से कम आठ सप्ताहवधि के लिए किसी एक संगठन में कार्य करना आवश्यक हैं।

द्वितीय वर्ष के छात्र वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए रजिस्ट्रीकृत होते है, जो उनकी पसंद पर आधारित होता है। यह चयनित पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष के लिए तीन पदों में होता हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उनकी समझ को ओर अधिक गहरा करने और प्रबंधन के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक कौशल अर्जित करने की चाह होती हैं।

पाठ्यक्रम सूची (Course Curriculum)

पीजीपी पाठ्यक्रम सूची रूपाकिंत करने का ध्येय छात्रों को वर्तमान मांग और गतिशील कारोबारी माहौल में संचारित करने के लिए ज्ञान व कौशल से सामर्थ्यवान बनाना है।

अध्यापन (Pedagogy)

आईआईएम उदयपुर सीखाने की प्रकरण पद्धति (Case Method) का अनुसरण करता है जो छात्रों को निर्णायक क्षमता, विचारोभिव्यक्ति और सामूहिक चर्चा के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करता हैं। प्रकरण पद्धति नवाचार सीखाने की सबसे महान पद्धति है जिसके द्वारा सम्पूर्ण विश्व के संगठनों द्वारा जिन अधिक से अधिक चुनौतियों का सामना किया जा रहा है को छात्रों के समक्ष लाना है। बाधाओं और आंशिक जानकारी के रूप में जिनकी वास्तविक व्यवसायिक परिदृश्यों में पुनरावृति होती है को यह प्रकरण पद्धति निर्णय लेने की तह तक छात्रों को बताता है।

वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान इतना सरल नहीं हैं और इसलिए केवल व्यापक विश्लेषण व विस्तृत विचार–विमर्श की सक्रिय प्रक्रिया के माध्यम से ही मुश्किल फैसले और प्रयोगात्मक निर्णय लिए जा सकेंगे जो एक कुशल प्रबंधक की विशिष्ट कुंजी है। आईआईएमयू में प्रकरण पद्धति ज्ञान संगोष्ठी

(Seminar), अनुकरणशील खेलों (Simulation Games), वार्तालाप गतिविधियों (Role-Plays), अतिथि व्याख्यान और कई सामूहिक अभ्यास के माध्यम से पूर्ण की जाती है। सामूहिक गतिविधियों का फैलाव समूह समनुदेशन (Group Assignment), प्रकरण प्रस्तुतीकरण (Case Presentations) और जीवंत व्यवसायिक परियोजनाओं पर कार्य तक है। समूहों का निर्माण विभिन्न शैक्षिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों के द्वारा होता हैं और जिसका ध्येय किसी विशेष कार्य या समस्या पर तलाश करने के सभी संभव दृष्टिकोण को समक्ष लाना है। जिससे वे आम उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन कर लोगों को सक्षम बना सकें।

प्रथम वर्ष के अनिवार्य पाठ्यक्रम (Frst Year Courses - Compulsory)

टर्म 1	टर्म 2	टर्म 3
वित्तीय लेखांकन	कंपनी वित्त – I	व्यापार नीतिशास्त्र
प्रबंधकीय मौखिक संचार	व्यापार के कानूनी पहलू	कंपनी वित्त – II
विपणन	मैक्रोइकॉनॉमिक्स	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रबंधकों के लिए सूक्ष्मअर्थशास्त्र	प्रबंधकीय लेखांकन	प्रबंधकों के लिए सूचना प्रणाली
संगठनात्मक व्यवहार –II	संचालन प्रबंधन –I	भारतीय सामाजिक और राजनैतिक परिवेश
प्रबंधको के लिए सांख्यिकी	संचालन अनुसंधान	बाजार अनुसंधान
लिखित विश्लेषण और संचार–I	संगठनात्मक व्यवहार –II	संचालन प्रबंधन –II
	लिखित विश्लेषण और संचार–II	कूटनीतिक प्रबंधन

द्वितीय वर्ष के वैकल्पिक विषय (Second Year Courses-Electives)

व्यापार नीति और कूटनीति

– अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीति
– सामाजिक उद्यमिता – वैकल्पिक व्यवसाय मॉडल को समझना
– उद्योग और प्रतिस्पर्धी विश्लेषण
– सामान्य व्यावसायिक ज्ञान
– अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रथाएँ
– प्रबंधन परामर्श
– नये उद्यम एवं उद्यमशीलता
– उन्नत कूटनीतिक प्रबंधन
– व्यापार संबंध और नेटवर्क
– व्यापार जर्मन
– व्यापार फ्रेंच

अर्थशास्त्र

– व्यापारिक बुनियादी सुविधा प्रबंधन
– गेम थ्योरी एवं अनुप्रयोग

वित्त और लेखा

- कॉर्पोरेट मूल्यांकन
- वित्तीय व्युत्पन्न
- निश्चित आय प्रतिभूतियों का परिचय
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त
- जोखिम प्रबंधन
- बैंकिंग, वित्तीय बाजार और प्रणालियाँ
- सार्वजनिक नीति एवं सार्वजनिक वित्त
- कूटनीतिक वित्तीय प्रबंधन
- वित्त एवं अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सुरक्षा विश्लेषण और निवेश सूची प्रबंधन
- व्यावहारिक वित्त
- स्व शेयर वित्त

विपणन

- उपभोक्ता व्यवहार
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का ग्राहक अनुभव प्रबंधन
- एकीकृत विपणन संचार
- रणनीतिक विपणन
- बी2बी विपणन
- खुदरा प्रबंधन
- विपणन सेवाएँ एवं प्रबंधन
- ई–विपणन
- उत्पाद प्रबंधन
- छाप प्रबंधन
- बिक्री और वितरण प्रबंधन
- उपभोक्ता आधारित व्यापार रणनीतियां

संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन

- रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन
- व्यक्तिगत प्रवीणता आधारीत प्रेरित नेतृत्व
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार कौशल
- उन्नत क्षतिपूर्ति और लाभ
- लोकतांत्रिक समाज में एक नागरिक के रूप में प्रबंधक
- मानव संसाधन में उन्नत नेतृत्व

संचालन प्रबंधन, मात्रात्मक विधियाँ और सूचना प्रणालियाँ

- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- विश्लेषणात्मक व्यापार के लिए उन्नत उपकरण

– व्यापार समय श्रृंखला विश्लेषण और पूर्वानुमान
– परियोजना प्रबंधन
– गतिशील बाजारों में अनिश्चितता के साथ व्यवहार
– परिचालन उत्कृष्टता
– रणनीतिक संचालन
– ईआरपी प्रणालियाँ: प्रौद्योगिकी योजना एवं कार्यान्वयन
– डेटा वेयरहाउसिंग और डेटा खनन के लिए विजुलाइजेशन

पीजीपी की अन्य मुख्य विशेषताएँ

ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रम (The Rural Immersion Programme)

अभी भी भारत की अधिकांश जनता ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती हैं, देश के भविष्यिक प्रबंधकों को अपनी व्यापारिक रणनीति व नीतियों के विभिन्न पहलुओं को ग्रामीण जनता के दृष्टिकोण से देखना आवश्यक हैं। ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रम एक अनिवार्य कार्यक्रम हैं जहां छात्र अपने 3–4 दिन गाँव में व्यतीत करते हैं, जहां उनका उद्देश्य प्रत्यक्ष रूप से वहां कि जमीनी हकीकते, चुनौतियाँ और समस्याओं से रूबरू होने और समझने का होता है। छात्र अपना समय सरकारी और गैर सरकारी संगठनों द्वारा किए गए कार्यों के प्रभावों का आंकलन करने व उसको आगे बढ़ाने के लिए संभव समाधान या ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए आवश्यक परिवर्तन को निष्पादित कर रहे हैं। ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रम के द्वारा आईआईएमयू का इरादा जो ज्ञान व समझ हासिल की हैं उसे समाज को सही दिशा के साथ प्रदान करना हैं।

छात्र विनिमय कार्यक्रम (Student Exchange Programme)

आईआईएमयू ने अपनी स्थापना के प्रथम वर्ष में ही छात्र विनिमय कार्यक्रम **(STEP)** स्थापित किया जो समस्त नए आईआईएम के बीच पहला था। पीजीपी छात्रों को उनकी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन में वृद्धि के मकसद से संस्थान ने छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए यूरोप में चार विश्वविद्यालयों के साथ करार किया। इस विनिमय कार्यक्रम के तहत संस्थान के (i) द्वितीय वर्ष के सीमित छात्र एक टर्म, नामित स्कूल में बिताते हैं और (ii) संगत स्कूलों के छात्रों को इस संस्थान में क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए अनुमति प्रदान की जाती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कार्यक्रम (International Business Programme-IBP)

आईआईएम उदयपुर एक अद्वितीय वैकल्प अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रथा (आईबीपी) के रूप में अपने द्वितीय वर्ष में पीजीपी कार्यक्रम के द्वारा प्रदान करता हैं जिसके तहत छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ उनके विदेश स्थानों पर एक जीवंत परियोजना पर व्यवहारिक एवं क्रियाशील ढंग से काम करने का मौका प्राप्त होता है। छात्रों द्वारा इस वैकल्प के तौर पर नामांकनोपरांत संयुक्त अरब अमीरात और थाईलैंड जैसे देशों में कॉर्पोरेट और सांस्कृतिक अनुभवों को समृद्ध किया गया। यह एक नियमित रूप से काम के माहौल की मांग और दबाव के साथ काम करते हुए छात्रों को एक बहु–सांस्कृतिक ढांचे में काम करने में मदद करता है।

छात्रवृत्तियाँ एवं वित्तीय सहायता

जेनपैक्ट छात्रवृत्तियाँ

प्रत्येक वर्ष द्वितिय वर्ष के दो छात्रों को ''जेनपैक्ट छात्रवृत्ति'' दी जाती हैं। छात्रवृत्ति पर विचार के लिए छात्रों की प्रारंभिक सूची निम्नलिखित मापदंडों के साथ साथ छात्रवृत्ति के लिए सामान्य दिशा–निर्देश में निहित मापदंडों के आधार पर होगी :

(i) छात्रों को कक्षा के प्रथम वर्ष में शीर्ष 20 प्रतिशत में होना होगा।
(ii) छात्र की सीजीपीऐ (CGPA) प्रथम वर्ष में 3 अथवा उससे ऊपर होनी चाहिए।

अंतिम चयन जेनपैक्ट और आईआईएमयू के प्रतिनिधि के द्वारा बनाई गई समिति द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक छात्रवृत्ति राशि रूपये 1,00,000 होगी।

जीआरएम टेक छात्रवृत्ति

प्रत्येक वर्ष द्वितीय वर्ष के दो छात्रों को ''जीआरएम टेक छात्रवृत्ति'' प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्ति पर विचार के लिए छात्रों की सूची निम्नलिखित मापदंडों के साथ–साथ छात्रवृत्ति के लिए सामान्य दिशा–निर्देश में निहित मापदंडों के आधार पर होगी :

(i) छात्रों को कक्षा के प्रथम वर्ष में शीर्ष 20 प्रतिशत में होना होगा।
(ii) छात्र की सीजीपीऐ (CGPA) प्रथम वर्ष में 3 अथवा उससे ऊपर होनी चाहिए।

अंतिम चयन आईआईएमयू की पुरस्कार समिति के द्वारा किया जाएगा। छात्रवृत्ति राशि रूपये 1,00,000 होगी।

2012–13 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या :
जेनपैक्ट छात्रवृत्ति – 2 छात्र
जीआरएम छात्रवृत्ति – 2 छात्र

वित्तीय सहायता

आईआईएमयू जरूरततंद छात्रों की वित्तीय मदद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। आईआईएमयू में वित्तीय सहायता नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी छात्र वित्तीय कारणों से संस्थान में शिक्षा से वंचित न रह जाये। इस प्रक्रिया का इरादा उन छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना हैं जिन्हें इसकी अधिक आवश्यकता हैं। वे सभी छात्र जिनकी वार्षिक घरेलू आय रूपये 4,50,000 से कम है, आवेदन करने के योग्य हैं।

2012–13 में वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या :

16–द्वितीय वर्ष के छात्र (बैच 2011–13)
25–प्रथम वर्ष के छात्र (बैच 2012–14)

पीजीपी प्रवेश

द्वितीय बैच (2012–2014) के साक्षात्कार के लिए 7820 आवेदनों का चयन किया गया, जिनका विवरण निम्नानुसार हैं :

श्रेणी	आवेदन पत्रो की संख्या
सामान्य	3868
पिछड़ा वर्ग	2327
अनु.ज.जाति	1238
अनु.जाति	296
शा.विकलांग	91
योग	7820

पीजीपी 2012–14 के द्वितीय बैच में 104 छात्रों ने प्रवेश लिया (जिसमें 2011–13 बैच का एक छात्र सम्मिलित)। दो छात्रों को एक साल के लिए चिकित्सा छुट्टी प्रदान की गई और दो छात्रों ने पंजीकरण के उपरांत कार्यक्रम से अपना नाम वापस ले लिया। बैच का श्रेणीवार वर्गीकरण नीचे दिया गया है :

श्रेणी	छात्र संख्या	प्रतिशत
सामान्य	47	45%
पिछड़ा वर्ग (एन.सी.)	30	29%
अनु.ज.जा.	14*	14%
अनु.जाति	11	11%
शा.विकलांग	02	01%
योग	104	100%

***2011–13 बैच का एक छात्र सम्मिलित**

आयु प्रलेख

आयु	प्रतिशत
21–23	20%
24–26	71%
28–32	09%

लिंग प्रलेख

आयु	प्रतिशत
पुरूष	72%
स्त्री	28%

कार्यानुभव

कार्यानुभव	प्रतिशत
नवीन (फ्रेशर्स)	20%
< 12 माह	04%
12–23 माह	38%
24–36 माह	30%
< 36 माह	08%

शैक्षणिक प्रोफाईल

संकाय	प्रतिशत
अभियांत्रिकी	85%
व्यवसाय प्रबंधन	02%
वाणिज्य	04%
विज्ञान	05%
कला	04%
कुल	100%

दीक्षान्त समारोह

भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर ने अपना प्रथम वार्षिक दीक्षान्त समारोह शुक्रवार, 22 मार्च 2013 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर, उदयपुर के एम.एल.एस.यू. सभागार में आयोजित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि एचसीएल के अध्यक्ष और संस्थापक व शिव नादर फाउंडेशन के संस्थापक श्री शिव नादर थे जिन्होने दीक्षान्त भाषण दिया।

इस अवसर पर संस्थान के गवर्नर मंडल **(Board of Governors)** के अध्यक्ष श्री सी. के. बिड़ला ने स्वागत भाषण व संस्थान के निदेशक प्रो. जनत शाह ने समापन भाषण दिया।

इस अवसर पर संस्थान के गवर्नर मंडल **(Board of Governors)** के समस्त सदस्य और उदयपुर से अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित थे।

आईआईएमयू के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के कुल 57 स्नातक छात्रों ने इस वर्ष के दीक्षान्त समारोह में डिप्लोमा प्राप्त किया।

निम्नांकित छात्रों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया –

1) सुश्री ममता बंसल – शैक्षिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक
2) श्री पीयूष सिंह – सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर के लिए स्वर्ण पदक

अंतिम प्लेसमेंट
(Final Placements)

अवलोकन

आईआईएमयू उदयपुर ने दिसम्बर 2012 और अप्रैल 2013 के मध्य पायनियर ''2013 की कक्षा'' के लिए अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया का आयोजन किया। कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद, प्लेसमेंट सीजन के दौरान उद्योगजगत की प्रतिक्रिया आईआईएमयू की शैक्षणिक उत्कृष्टता को निरन्तर प्रबलता और विचारों को अधिक शक्तिशाली बनाती हैं। कुल 35 कंपनियों ने वित्त, परामर्श, संचालन, रणनीति, बिक्री एवं विपणन, आईटी, विश्लेषिकी, रणनीति और मानव संसाधन कार्यक्षेत्र में फैली भूमिकाओं के साथ अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया। बैच के 9% को अंतर्राष्ट्रीय पेशकश प्राप्त हुई।

छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में सीईओ का कार्यकारी व मुख्य परिचालन अधिकारी (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) जैसी विविध भूमिकाओं की पेशकश की गई है। एक लंबे समय के लिए मजबूत शिक्षा उद्योग इंटरफेस के निर्माण की दिशा में आईआईएमयू के मेहनती प्रयासों के फलस्वरूप विशेष भर्ती हुई है।

प्री–प्लेसमेंट ऑफर

गत वर्ष ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के दौरान भर्ती हुए छात्रों को ध्यान में रखते हुए, बहुत सी कंपनियों ने अंतिम प्लेसमेंट के दौरान आईआईएमयू उदयपुर में अपना विश्वास बहाल किया। अग्रणी बैच के 3 छात्रों को पूर्व प्लेसमेंट पेशकश प्रदान कर अपना आत्मविश्वास स्पष्ट किया।

क्षैत्रवार विश्लेषण

वित्तः छात्रों को ट्रांजैक्शन बैंकिंग , कॉरपोरेट और संस्थागत बैंकिंग, संबंध प्रबंधन जैसी भूमिकाओं में प्रस्ताव पेश किये गये। जीई इंडिया इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सबसे अधिक प्रस्ताव दिये गये तथा इसके बाद क्रमशः यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक तथा डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड द्वारा प्रस्ताव दिये गये।

बिक्री एवं विपणन : बजाज ऑटो, बीपीसीएल, क्लेरिआन शिपिंग, एचपीसीएल, मेप्रो फुडस, मदर डेयरी, सोडेक्सो, वेदांता जैसी प्रमुख कंपनियों ने इस क्षेत्र में छात्रों की भर्तियां की।

संचालन/ आपूर्ति श्रृंखला : जेनपेक्ट, क्वीकर, मदर डेयरी, आरईसी, यूएइ एक्सचेंज, सोडेक्सो और वेदांता संचालन/आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र के नियोक्ताओं में सम्मिलित थे। छात्रों को कंपनी संचालन विस्तार के लिए जिम्मेदार भूमिकाओं की पेशकश की गई।

सामान्य प्रबंधन : ग्रेट मीडिया टेक्नोलॉजी, पीआई इंडस्ट्रीज और टाटा पावर ने सामान्य प्रबंधन के लिए छात्रों की भर्तियां की।

रणनीति/ परामर्श : आर्थर डी लिटल, क्वीकर, शेपूरजी पालोनजी समूह और टीवीएस लॉजिस्टिक्स ने रणनीति/परामर्श क्षेत्र में छात्रों को भूमिकाओं की पेशकश की। टीवीएस लॉजिस्टिक्स ने छात्रों को सीईओं के अधिशासी जैसे आला स्थान के लिए चयन किया।

मानव संसाधन : क्रॉम्पटन ग्रीव्स, फ्यूजन आउटसोर्सिंग, ग्रेट प्लेस टू वर्क और वेनिला बीन्स इस क्षेत्र के प्रमुख नियोक्ता थे। छात्रों को मानव संसाधन में परामर्श भूमिकाओं की पेशकश की गई।

विश्लेषिकी : लगभग हर उद्योग में कम्पनियों की एक बड़ी संख्या में विश्लेषिकी ने आईआईएम उदयपुर में अन्य प्रमुख क्षेत्रों के साथ एक समान स्तर प्राप्त किया। जीएस एनालिटिक्स, क्वीकर और सेरेनडीपिटी इनफोलेब्स ने छात्रों को प्रस्ताव पेश कर विश्लेषिकी में आईआईएम उदयपुर के विश्वास की पुष्टि की।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी की भूमिकाऐं : आईआईएम उदयपुर को हमेशा अपने छात्रों के मध्य उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने पर गर्व है। प्रथम वर्ष में ही छात्रों को सीओओ की भूमिकाओं की पेशकश की गई।

वेतन आंकडे

टिप्पणी : 'डाटा' कॉलम में प्रविष्टियों को न्यूनतम, अधिकतम, औसत एवं मध्यमान के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।

वेतन मद – घरेलू प्रस्ताव (₹)

Salary वेतन	Min न्यूनतम	Max अधिकतम	Medium मध्यमान	Mean औसत	Data आंकडे
(अ) मूल वेतन	102,000	700,000	328,250	349,937	32
(ब) अतिरिक्त आश्वस्त नकद घटक	126,000	1,074,100	516,640	503,350	32
(स) एक–बार नकद भुगतान	100,000	150,000	100,000	120,000	5
(द) कुल आश्वस्त भुगतान	360,000	1,179,320	931,728	864,447	32
(य) अधिकतम अर्जन क्षमता (गैर नकद, दीर्घकालिन एवं प्रदर्शन से जुडे घटकों सहित)	400,000	1,410,000	982,500	936,953	46

वेतन मदो का वर्गीकरण – घरेलू

वेतन मद – अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव ($)

वेतन	न्यूनतम	अधिकतम	मध्यमान	औसत	आंकडे
(अ) मूल वेतन	$12,252	$14,702	$12,252	$12,864	4
(ब) अतिरिक्त आश्वस्त नकद घटक	$15,355	$26,354	$26,354	$23,605	4
(स) एक–बार नकद भुगतान	$0	$0	$0	$0	0
(द) कुल आश्वस्त भुगतान	$30,057	$38,606	$38,606	$36,469	4
(य) अधिकतम अर्जन क्षमता (गैर नकद, दीर्घकालिन एवं प्रदर्शन से जुडे घटकों सहित)	$30,057	$45,739	$39,103	$38,621	5

वेतन मदो का वर्गीकरण – अन्तर्राष्ट्रीय

टिप्पणी : अमेरिकन डॉलर में सभी रूपान्तरण मई 2013 में अंतिम दर के अनुसार 3.6730 AED/USD की दर से किए गए है।

स्त्रोत : विदेशी मुद्रा डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया

अंतिम प्लेसमेन्ट में प्रस्ताव देने वाली कंपनियां 2012–2013

आर्थर डी. लिटिल मीडिल ईस्ट एफजे एलएलसी	हिन्दूस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	शैपोरजी पेलोनजी एण्ड कंपनी लिमिटेड
बजाज ऑटो लिमिटेड	आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	सोडेक्सो फूडस सोलूशनस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड क्लेरिआन शिपिंग सर्विसेज एलएलसी	आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड एलक्यू नोलेज मेनेजमेन्ट सविसेज प्राइवेट लिमिटेड	टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड टीवीएस लोजेस्टीक्स सर्विसेज लिमिटेड
क्रॉम्पटन ग्रीव्स लिमिटेड डायमिया सीमेन्ट (भारत) लिमिटेड	मेप्रो फूडस प्राइवेट लिमिटेड मेक्स लाईफ इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	यूएई एक्सचेन्ज सेन्टरएलएलसी वैभव ग्लोबल लिमिटेड
फ्यूजन आउटसोंसिग सोफ्टवेयर प्राईवेट लिमिटेड	मदर डेयरी फ्रूट एण्ड वेजिटेबल लिमिटेड	वनीला बिन्स कन्सलटिंग प्राईवेट लिमिटेड
जीई इंडिया इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड	पीआई इंडस्ट्रिज लिमिटेड	वेदांता हिन्दूस्तान जिंक लिमिटेड
जेनपेक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	क्वीकर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	विकास केडिया वेन्चर ग्रेट मीडिया टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
ग्रेट प्लेस टू वर्क	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड	यस बैंक लिमिटेड
जीएस एनालेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	सेरेन्डीपीटी इंफोलेब्स प्राइवेट लिमिटेड (टैक्सीफोरश्यार डॉट काम)	

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
(Summer Internships)

अवलोकन

शैक्षणिक वर्ष 2013–2013 में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्लेसमेन्ट प्रक्रिया ने एक बार फिर आईआईएम उदयपुर के छात्रों में उद्योग जगत के विश्वास की पुष्टि की। प्रक्रिया को रोलिंग आधार पर आयोजित किया गया और यह 100% प्लेसमेन्ट के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष विभिन्न क्षेत्रों की कुल 46 कंपनियों जैसे बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), परामर्श, एमएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार, ऊर्जा, अचल संपत्ति, संभार–तंत्र, विनिर्माण और अन्य प्रमुख क्षेत्र जैसे विज्ञापन की कंपनियों ने 100 के बैच में से भर्ती करने के लिए परिसर का दौरा किया। बैच 2012–2014 के छात्रों ने अप्रैल से जून 2013 के दौरान भारत एवं विदेशों के विभिन्न स्थानों पर इंटर्नशिप की।

क्षेत्रवार वर्गीकरण

नियुक्ति प्रक्रिया में विविध क्षेत्रों के सम्मानित नियोक्ताओं ने भाग लिया। बीएफएसआई ने सबसे अधिक नियुक्ति की, इसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्र थे। पिछले वर्ष से रिश्ते मजबूत करते हुए, बीएफएसआई क्षेत्र का प्रतिनिधित्व जीइ इंडिया, यस बैंक एवं आईसीआईसीआई बैंक द्वारा किया गया। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रक्रिया के दूसरे संस्करण में भी एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक ने आईआईएम उदयपुर के साथ एक लंबे सहयोग का पथ बनाते हुए भागीदारी की। यूएई एक्सचेन्ज और एक्सप्रेस मनी ने अधिकतम भुगतान का अन्तर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप प्रस्ताव दिया तथा इसके साथ बीएफएसआई क्षेत्र में जीई इंडिया ने अधिकतम प्रस्ताव दिये।

परामर्श क्षेत्र में, केपीएमजी और आईसीआरए मैनेजमेंट कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड के मौजूदा एसोसिएशन के साथ, आईआईएम उदयपुर ने प्राइसवाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) और डेलॉइट से अच्छे प्रस्ताव लिये। प्रस्तावों ने प्रौद्योगिकी परामर्श से प्रबंध परामर्श तक विस्तार किया।

प्रौद्योगकी क्षेत्र में, सीएसएस कॉर्पोरेशन और नौकरी डॉट काम ने व्यवसाय विकास एवं अन्य कार्यक्षेत्र में भूमिकाओं की पेशकश की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त क्षेत्र में अपने प्रमुख प्रोफाइल के लिए भूमिका की पेशकश की।

उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में, मेप्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, गोदरेज एण्ड बॉयज और यूनाइटेड ब्रेवरीज लिमिटेड जैसे वृहद् नियोक्ता थे। बिक्री और विपणन क्षेत्र में, एफएमसीजी क्षेत्र का वर्चस्व था।

आईआईएम उदयपुर ने एनएमसी हेल्थकेयर और डीएम हेल्थकेयर से अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के साथ, स्वास्थ्य जैसे आला क्षेत्रों से भागीदारी प्राप्त की। फोर्टिस एस्कॉर्टस अस्पताल ने स्वास्थ्य संचालन में भूमिका की पेशकश की।

विनिर्माण क्षेत्र के प्लेसमेंट में बोम्बेडाईंग जैसे नये नियोक्ता थे तथा हंटर डगलस और हिदूस्तान जिंक के साथ सहयोग जारी था।

कार्यवार वर्गीकरण

प्लेसमेन्ट की कार्यात्मक संरचना में विपणन **24%** तथा इसके बाद संचालन/ आपूर्ति श्रृंखला **13%** एवं वित्त **12%** है। अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में परामर्श, मानव संस्थान प्रबंधन, सामान्य प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रक्रिया के दूसरे संस्करण में छात्रों को सक्षम संगठन के अन्दर प्रबंधन परिपेक्ष्य के प्रस्ताव मिले।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्लेसमेंट 2012–2013 में भाग लेने वाली कंपनियां

Companies		
बिनानी जिंक लिमिटेड	आईसीआईसीआई बैंक	स्नोमेन लॉजेस्टीक्स लिमिटेड
बोम्बेडाईंग एण्ड मेने. कम्पनी लिमिटेड	आईसीआरए मैनेजमेंट कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड	सॉफ्टवेयर पेरागिम इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड
क्लेरिआन शिपिंग सर्विसेज एलएलसी	कल्पतरू लिमिटेड	एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड
सीएसएस कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड	केपीएमजी	श्री राजस्थान सिन्टेक्स लिमिटेड (एसआरएसएल)
शेनकर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	मेप्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	सेरेन्डीपीटी इंफोलेब्स प्राइवेट लिमिटेड (टैक्सी फोर श्योर डॉट काम)
डेलॉइट कंसलटिंग प्राइवेट लिमिटेड	नौकरी डॉट काम	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
डीएम हेल्थकेयर एल.एल.सी.	एनएमसी हेल्थकेयर एल.एल.सी.	टिकाना डिजिटल नेटवर्क्स
फोर्टिस एक्कॉर्टस हॉस्पीटल	एनटीपीसी लिमिटेड	त्रिपुरा बेम्बो मिशन
फॉर सॉफ्ट लिमिटेड		
यस बैंक लिमिटेड	प्रिसटाइन एजुट्रोनिक्स	यूएई एक्सचेन्ज सेन्टर एल.एल.सी.
जीई इंडिया	प्राइसवाटरहाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड	यूनाटेड ब्रेवरीज लिमिटेड
जेनपेक्ट	रेकोल्ड थर्मल लिमिटेड	वेदांता हिन्दूस्तान जिंक लिमिटेड
गोदरेज एण्ड बॉयज मेने. कम्पनी लिमिटेड	रेज पॉवर एक्सपर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	वेदा कॉर्पोरेट एडवाइजर्स
एचडीएफसी बैंक	रेजोनेन्स एडवेन्चरस प्राइवेट लिमिटेड	विप्रो लिमिटेड
हिन्दूस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	साल्टमेंगोट्री सीएमसी प्राइवेट लिमिटेड	एक्सप्रेस मनी
हंटर डगलस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	सिक्योर मीट्रस लिमिटेड	यस बैंक लिमिटेड
	श्रीसीमेन्ट लिमिटेड	

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में दोहरी डिग्री कार्यक्रम

(Global Supply Chain Management)

(भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर से पीजीपीएक्स और पर्ड्यू विश्वविद्यालय से एमएस)

कार्यक्रम उद्देश्य :
भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर द्वारा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में दोहरी डिग्री कार्यक्रम क्रंनेर्ट स्कूल, पर्ड्यू विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रदान की जाती है। इस गहन 15 महीने पूर्णकालीन कार्यक्रम की शुरूआत 7 जनवरी, 2013 से की गई। पर्ड्यू विश्वविद्यालय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में एम.एस. की डिग्री दिसम्बर के पाठ्यक्रम (Coursework) के उपरान्त प्रदान करता है (कैलेंडर वर्ष प्रथम) । इसके अतिरिक्त आईआईएमयू वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में डिप्लोमा मार्च के पाठ्यक्रम (Coursework) के उपरान्त प्रदान करता हैं (कैलेंडर वर्ष द्वितीय)।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (GSCM) में एकाग्रता के साथ मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री के पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम 30 क्रेडिट के साथ एक 8 सप्ताह अनुभवजन्य अध्ययन (experiential learning) की आवश्यकता है। 30 क्रेडिट में 16 क्रेडिट आवश्यक पाठ्यक्रम के तथा बाकी जीएससीएम के ऐच्छिक पाठ्यक्रम; जीएससीएम संबंधित ऐच्छिक और सामान्य व्यापार ऐच्छिक से लिये जा सकते है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर (आईआईएमयू) में छात्रों को इस कार्यक्रम में भर्ती पर स्प्रिंग सेमेस्टर में (कार्यक्रम की शुरूआत में) 15 क्रेडिट का एक न्यूनतम पाठ्यक्रम (courswork) लेना होता हैं। इसमें सामान्य प्रबंधन (General Management), संचालन प्रबंधन (Operations Management) और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का परिचय (Introduction to Supply Chain Management) की एक बुनियादी तैयारी को शामिल किया गया है। छात्र कुल 7 क्रेडिट के तीन आवश्यक पाठ्यक्रम (ऑपरेशंस मैनेजमेन्ट, ऑपरेशनल रिसर्च और स्प्रेडशीट मॉडलिंग और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन), एक जीएससीएम प्रांसगित ऐच्छिक की 2 क्रेडिट (व्यावसायिक सांख्यिकी और डाटा माइनिंग) और तीन सामान्य व्यापार ऐच्छिक (General Business Electives) की कुल 6 क्रेडिट (प्रबंधकों के लिए अर्थशास्त्र, संगठनात्मक व्यवहार और प्रबंधकों के लिए लेखांकन) लेते हैं।

आईआईएम उदयपुर में पहले टर्म पाठ्यक्रम के उपरान्त छात्रों को एक प्रायोजक उद्योग (Industry Sponsor) के साथ एक 8 सप्ताह का अनुभवजन्य अध्ययन (Experiential Learning) पूर्ण करना होता हैं। अनुभवजन्य अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए (ऑपरेटिंग सिस्टम का प्रबंधन) 3 क्रेडिट प्रदान किये जाते है।

इसके अतिरिक्त 12 क्रेडिट का पाठ्यक्रम क्रंनेर्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट में करना होता हैं जो डिग्री पूर्ण करने के लिए आवश्यक हैं। आईआईएमयू से छात्रों को पीजीपीएक्स डिप्लोमा की अर्हता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 13 क्रेडिट का पाठ्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर से करना आवश्यक हैं।

यह कार्यक्रम वर्तमान उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए और दुनिया भर में कई देशों में फैले जटिल आपूर्ति श्रृंखला के साथ निपटने के लिए छात्रों को सामर्थ्यता प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस दोहरी डिग्री कार्यक्रम में, प्रत्येक डिग्री प्रोग्राम अलग और अजीब सहक्रियाओं के साथ एक अद्विितीयता के साथ शैक्षिक अनुभव को बढ़ाने के लिए बनाया गया है।

लक्ष्य

यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन प्रबंधकों को जिनकी अभिरूचि आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में तेजी से जिम्मेदार पदों को स्वीकार करने की हैं, को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। एक स्नातक की डिग्री या समकक्ष (किसी भी विषय में) और एक न्यूनतम 30 महीने का प्रासंगिक कार्य में अनुभव रखने वाले प्रबंधक ही इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे।

पाठ्यक्रम

एक दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम के उम्मीदवार के लिए उपयुक्त स्कूल की ग्रेडिंग मानकों को पूरा करना चाहिए। यह दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम चार मॉडयूल में विभाजित हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि 15 महीने की है और इसमें तीन घटक होते है : प्रथम घटक जनवरी से अप्रैल (कैलेण्डर वर्ष 1) और जनवरी से अप्रैल (कैलेण्डर वर्ष 2) के दौरान आईआईएमयमू में अध्ययन है। द्वितीय घटक मई से अगस्त (कैलेण्डर वर्ष 1) के दौरान ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप है। तृतीय घटक अगस्त से दिसम्बर (कैलेण्डर वर्ष 1) के दौरान पर्ड्यू विश्वविद्यालय में अध्ययन है। कुल मिलाकर पाठ्यक्रम में 645 विद्यार्थी सम्मिलित है तथा 420 घंटे आईआईएमयू में अध्ययन है।

मॉडयूल 1	जनवरी से अप्रैल	आईआईएम उदयपुर
मॉडयूल 2	जून से अगस्त	अनुभवजन्य अधिगम
मॉडयूल 3	अगस्त से दिसम्बर	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, यूएसए
मॉडयूल 4	जनवरी से मार्च	आईआईएम उदयपुर

छात्र प्रोफाइल

शैक्षिक विवरण	प्रतिशत
इंजीनियर	88%
अन्य	12%

कार्य अनुभव	प्रतिशत
60+ महीना	29%
51–60 महीना	35%
41–50 महीना	18%
30–40 महीना	18%

क्षेत्र	प्रतिशत
उत्पादन / संचालन	50%
आईटी	25%
आर एण्ड डी	12.5%
परियोजना प्रबंधन	12.5%

लिंग विवरण	प्रतिशत
पुरूष	88%
स्त्री	12%

जीमेट स्कोर	प्रतिशत
650–700	35%
600–650	65%

अनुभवात्मक अधिगम

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पीजीपीएक्स कार्यक्रम के लिए अनुभवात्मक अधिगम की अवधि न्यूनतम आठ सप्ताह है। आठ में से कम से कम चार सप्ताह कंपनी के मुख्य स्थल पर होना चाहिए। व्यक्तिगत या कंपनी के साथ समूह परियोजना इंटर्नशिप का आवश्यक हिस्सा हैं। छात्रों को एमजीएमटी 66100 के लिए साथ–साथ रजिस्टर होना आवश्यक है : क्रंनेर्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट में संचालन प्रणाली का प्रबंधन (एक अनुभवात्मक अधिगम पाठ्यक्रम)। अनुभवात्मक अधिगम के अंत में, छात्रों को एक अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करना और तीन घंटे की क्रेडिट प्रदान करने के लिए एक कक्षा प्रस्तुति बनाना आवश्यक है।

विभिन्न क्षेत्रों से कंपनियों जैसे एफएमसीजी, ई–वाणिज्य, औषधी, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, खुदरा एवं परिधान ने 16 छात्रों के समूह में से भर्ती करने के लिए परिसर का दौरा किया। इस प्रक्रिया ने संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला में रोचक भूमिकाओं के साथ पेशकश को देखा।

क्षेत्रवार वर्गीकरण

इस नियुक्ति प्रक्रिया मे विविध क्षेत्रों से सम्मानित नियोक्ताओं ने भाग लिया। इंजीनियरिंग क्षेत्र ने सबसे अधिक भर्ती की एवं उसके बाद ऑटोमोबाइल, ई–वाणिज्य क्षेत्र था।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में क्यूमिन्स द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया जिसने भारतीय वितरण तंत्र के प्रारूप एवं सुधार के लिए अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए पीपीआई की पेशकश की। सीमेंस लिमिटेड ने अपनी मुंबई कॉरपोरेट कार्यालय के लिए 3 प्रमुख भूमिकाओं की पेशकश की। जे.सी. बम्फोर्ड ने एक छात्र को ग्रीनर सतत आपूर्ति श्रृंखला की योजना एवं क्रियान्वयन के लिए भर्ती किया और टिकोना डिजिटल नेटवर्क्स ने प्रक्रिया परामर्श के लिए महत्वपूर्ण भूमिका की पेशकश की।

एफएससीजी क्षेत्र से कारगिल फुड्स इंडिया ने आईटी कार्यान्वयन के लिए आंतरिक आपूर्ति श्रृंखला परामर्श भूमिकाओं की पेशकश की।

खुदरा क्षेत्र में भारती वॉलमार्ट ने आपूर्ति श्रृंखला योजना के लिए आईआईएमयू से भर्ती की।

भारत की प्रमुख ई–वाणिज्य कंपनियों में से एक, जबोंग डॉट कॉम ने अपने गुड़गाँव मुख्यालय के लिए 3 छात्रों की भर्ती की।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में हुंडई मोटर इंडिया प्रा. लिमिटेड ने एण्ड–टू–एण्ड नेटवर्क की रूपरेखा और अनुकूलन के लिए एक परियोजना की पेशकश की।

परिधान क्षेत्र में रेमंड लिमिटेड ने आपूर्ति श्रृंखला परिवर्तनकारी परियोजना के लिए आईआईएमयू से भर्ती की।

विशाल दवा कंपनी एस्ट्रा–जेनेका ने वितरण नेटवर्क रूपरेखा में भूमिका की पेशकश की।

कार्यवार वर्गीकरण

16 छात्रों को आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र में सम्पूर्ण भूमिकाओं – रसद, परिवहन, नियोजन, स्रोत एवं खरीद की पेशकश की गई। प्लेसमेन्ट की कार्यात्मक रचना में 27% रसद और परिवहन, 19% दोनो नेटवर्क

अनुकूलन एवं रूपरेखा एवं आपूर्ति श्रृंखला योजना थे। अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रिया मानचित्रण, संचालन और परियोजना प्रबंधन शामिल थे।

अनुभवात्मक अधिगम 2013 में भाग लेने वाली कंपनियां

सीमेंस लिमिटेड	भारतीय वॉलमार्ट
हुंडई मोटर इंडिया प्रा. लिमिटेड	कारगिल फुड्स इंडिया
जबोंग डॉट कॉम	रेमंड लिमिटेड
क्यूमिन्स	एस्ट्रा–जेनेका
जे.सी. बम्फोर्ड	टिकोना डिजिट नेटवर्क्स

संकाय सदस्य

सदस्य

अमिताभ मुखार्ज्जी, पीएच.डी. (कोलकाता यूनिवर्सिटी)
जानकी अनंत, अनुसरित डॉक्टरल प्रोग्राम (एक्सएलआरआई)
जनत शाह, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
मृदुल माहेश्वरी, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
नीति सनन, पीएच.डी. (अलिगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी)
रेजिना सुल्ताना, पीएच.डी. (बार–इलान यूनिवर्सिटी)
रोजर मोजर, पीएच.डी. (न्यूयार्क स्टेट यूनिवर्सिटी, बर्धिंमटन)
थोमस जोसफ, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर)
संध्या भाटिया, पीएच.डी. (मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय)
सौम्य सरकार, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता)
श्रीनिवासन ताताचारी, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
सुभाशीष चक्रवर्ती, पीएच.डी. (लोवा यूनिवर्सिटी)
सुमित कुमार, पीएच.डी. (आईआईटी रूडकी)
वन्दना स्वामी, पीएच.डी. (न्यूयार्क स्टेट यूनिवर्सिटी, बर्धिंमटन)
विनय रमनी, पीएच.डी. (बफेलो स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क, बफेलो)

अतिथि संकाय

ए. त्रिपाठी, पीएच.डी. (लंदन स्कूल इकोनोमिक्स)
ए.के. जैन, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
एलेक्जेन्डरा वाई बेन्ज, डी.ई.ए. (डॉक्टरल डिग्री), मोन्टपेलियर आई, फ्रांस
अनुजयेश कृष्णा, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
दीपक धीर, पीजीडीएम फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
जी.एस. गुप्ता, पीएच.डी. (जॉन होपकिन्स यूनिवर्सिटी, यूएसए)
गीता चौधरी, पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)
गोपाल महापात्रा, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
जाहर साहा, पीएच.डी. (केस वेस्टन रिजर्व यूनिवर्सिटी, यूएसए)
के.के. रतन, पीजीडीएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
एम.एस. श्रीराम, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
मधुप्पा बक्शी, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता)
मोनिका ग्रेवाल, एम.ए. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)
नागेश्वर राव, बी.ई. (यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरीया कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग)

नवीन जैन, पीएच.डी. (फलोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी)
नितेन्द्र डील्लन, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
पी.सी. नारायणन, पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास)
प्रशांत मिश्रा, पीएच.डी. (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर)
पुनित प्रकाश, पीएच.डी. (जोर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, अटलांटा, जोर्जिया)
रजनीश दास, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता)
रमेश भट्ट, पीएच.डी. (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय)
रमेश वेंकटेश्वरन, पीजीडीएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
रणधीर मिश्रा, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
रोहिनी पटेल, पीएच.डी. (पेन्सिलवानिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए)
सांई प्रकाश अय्यर, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
एस. कृष्णमूर्ति, एफसीए (फैलो मेम्बर ऑफ दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउन्टेन्ट ऑफ इंडिया)
संजीवन काप्शे, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर)
श्यामल रॉय, पीएच.डी. (यूनिवर्सिटी ऑफ मिसॉरी, कोलम्बिया, यूएसए)
श्रीकांत गोखले, पीजीडीएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
सुदेश रॉय, पीजीडीएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता)
सुन्दर वेंकटेश, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
सुनील माहेश्वरी, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
सुनील उन्नय गुप्तन, पीएच.डी. (ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद)
थोमस कुरूविला, एमबीए (मेलबोर्न बिजनेस स्कूल, आस्ट्रेलिया/एशियन इंन्सट्यूट ऑफ मेनेजमेन्ट, फिलिपिंस)
उत्कर्ष मजूमदार, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)
वी.नागदेवरा, पीएच.डी. (लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए)
वी.रंगनाथन, फैलो (भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद)

अनुसंधान एवं प्रकाशन

शोध पत्र

ऐ रूल ऑफ थंब फॉर टेस्टिंग सिमेट्री अबाउट एन अननोन मिडियन अगेनस्ट ए लॉग राइट टेल, **अमिताभ मुखार्ज्जी,** ए.एम. अबद इलफत्ह और बरेन्द्र पुकैत. Journal of Statistical Computation and Simulation, 2013, **DOI** : 10.1080/00949655.2013.784316
http://www.tanfonlne.com/doi/abs/10.1080/00949655.2013.784316#.UgHQoNJnr2E

चैनल कार्डिनेशश्न इन ग्रीन सप्लाय चेन मेनेजमेंट, संजीव स्वामी एवं **जनत शाह.** Journal of the Operational Research Society, 64336-351,2013.
http://www.palgrave-journals.com/jors/journal/v64/n3/full/jors201244a.html

सेकण्ड–ऑर्डर डाइलिटी फॉर ए नॉनडिफरेन्शिारबल मिनिमेक्स फ्रेक्शनल प्रोगामिंग अण्डर जनरलाइज्ड ए युनिवेक्सिटी, एस.के.गुप्ता, डी. डांगर और **सुमित कुमार.** Journal of Inequalities and Applications., 187, 2012.
heep://link.springer.com/article/10.1186%2F1029-242X-2012-187.

डूएलिटी फॉर नॉनडिफरेन्शिएबल मल्टीआब्जेक्टिव हायर–ऑर्डर सिमेन्ट्रीक प्रोग्राम ओवर कॉन्स इनवाल्गिव जर्नलाइज्ड (एफ, एपी, डी)–कान्वेक्सिटी, एस.के.गुप्ता, एन. कैले और **सुमित कुमार.** Journal of Inequalities and Applications., 298, 2012.
heep://www.journalofinequalitiessandapplications.com/2012/298.

कार्यपत्र

इनटरनल मेचिंग, **विनय रमनी,** भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–01

ऑफ्टीमल प्राइवेटाइजेशन एण्ड इन्ट्री इन ए डिफकरेन्शियेड मिक्स्ड ऑलिगोपॉली, **विनय रमनी**, विभाष साहा, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–02

द डेविलस् वर्कशाप ? अ लूक एट द इम्पेक्ट ऑफ आइडेल टाइम ऑन न्यूकमर्स परसेप्शन्स **श्रीनिवासन ताताचारी,** भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–03

चेजेंस इन ऑर्गेनाइनजेशनल एण्ड प्रोफेशनल ड्यूरिंग सोशलाइजेशन ऑफ नीवकॉमस, **श्रीनिवासन ताताचारी,** भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–04

मार्केट ऑरिएन्टेशन एण्ड कस्टमर–बेस्ड कॉर्पोरेड ब्रानड इक्विटी (सीबीएसई): ए डायडीक स्टडी ऑफ इंडियन बी2बी फर्मस्, **सौम्य सरकार,** प्रशांत मिश्रा, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–05

जॉब रिजर्वेशन एण्ड इन्टरजनरेशनल ट्रांसमिशन ऑफ प्रिफरेन्स, हुंग–जु चीना एवं **रेजिना सुल्ताना,** भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–06

एक्सेस टू वर्क एण्ड मदरहुड : फ्राम द परस्पेक्टिव ऑफ प्रोफेशनल वूमन, **मृदुल माहेश्वरी,** भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
आईआईएमयू कार्य पत्र नं. 2013–07

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

इम्पैक्ट ऑफ आयएफआरएस (IFRS) एडॉप्शन ऑन फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स
प्रधान अन्वेषक – **प्रो संध्या भाटिया**
वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
स्थिति – जारी

चाय गरम : एन एश्नोग्राफिक इन्क्वायरी इनट्र अनआर्गनाइज्ड रिटेलिंग इन ईस्टर्न इंडिया
प्रधान अन्वेषक – **प्रो संध्या भाटिया**
वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
स्थिति–जारी

एन ऐफिसिएंट मॉडल फॉर पोस्ट होक सेगमेंटेशन इन बी2बी मार्केट्स
प्रधान अन्वेषक – **प्रो सौम्य सरकार और प्रो सुमित कुमार**
वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
स्थिति – जारी

स्टडी ऑफ मास्किंग इफेक्ट ऑफ नॉनपेरामिट्रीक प्रेसिडेन्स टाइप चार्टस् एण्ड पॉसीबल रेमिडिस फॉर प्रोसेस कंट्रोल चार्टस्
प्रधान अन्वेषक – **प्रो अमिताभ मुखार्ज्जी**
वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर
स्थिति–जारी

इम्पेक्ट ऑफ इंडियन सोशियल पॉलीसीस टू रिड्युस पॉवर्टी एण्ड टू मिटिगेट सोशल एक्सक्लूजन
प्रधान अन्वेषक – **प्रो वंदना स्वामी, प्रो रेजिना सुल्ताना** और प्रो विलियम (सैंडी) डेरिटी जूनियर
वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर, ड्यूक विश्वविद्यालय और विद्या भवन सोसायटी
स्थिति–जारी

बेसीलाइन स्टडी ऑन द की डेवलपमेंट इंडीकेटर्स अमंग द सहरीया ट्राइब इन बारा डिस्ट्रीक्ट, राजस्थान

प्रधान अन्वेषक – **प्रो वन्दना स्वामी और प्रो जनत शाह**

वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर और आदिवासी क्षेत्र विकास उदयपुर

स्थिति–जारी

अन्डरस्टेडिंग कॉप्लीमेनटर्टीस एक्रास इनवायरमेन्टल हेल्थ इन्टरवेन्शन्स

प्रधान अन्वेषक – **प्रो सुभादिप रॉय, प्रो जनत शाह**, प्रो मार्क जयूलैंड (Jeuland) और सुश्री प्रियंका सिंह

वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर, ड्यूक विश्वविद्यालय और सेवा मंदिर उदयपुर

स्थिति–जारी

क्लाइन्टेलिस्म, पब्लिक सर्विसेस एण्ड इलेक्शन्स इन द स्लमस् ऑफ उदयपुर

प्रधान अन्वेषक – **प्रो सुभाष झा**, प्रो एरिक विब्बेल्स (Wibbels) और अलका व्यास

वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर, ड्यूक विश्वविद्यालय और जन दक्ष ट्रस्ट उदयपुर

स्थिति–जारी

इम्पेक्ट ऑफ एल्गोरिथमिक ट्रेंडिग ऑन इमरजिंग मार्केट माइक्रोस्ट्रक्चर : एविडेन्स फ्राम इंडियन स्टॉक मार्केट

प्रधान अन्वेषक – **प्रो अमिताभ मुखार्ज्जी, प्रो रेजिना सुल्ताना, प्रो सुमित कुमार, प्रो विनय रमनी और प्रो सुभाशीष चक्रवर्ती**

वित्त पोषण – भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर और आईबीएम

स्थिति–जारी

संकाय सेमिनार (Faculty Seminars)

संकाय सेमिनार की शुरुआत मार्च 2013 से आईआईएम उदयपुर में गई । यह आमतौर पर हर माह के दूसरे और चौथे बुधवार को संकाय सदस्यों या अतिथि वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। संगोष्ठी सभी संकाय सदस्यों, छात्रों और अनुसंधान स्टॉफ के लिए खुली है। शोध संगोष्ठी श्रृंखला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक स्टाफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित करना और प्रस्तुतकर्ता के शोध कार्य को विकसित करने में सहायता प्रदान करना है।

15मार्च 2013

हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में चैनल (Channel) समन्वय – प्रो. जनत शाह

पुरस्कार और सम्मान (Awards and Honors)

प्रो. श्रीनिवासन ताताचारी

मानव संसाधन प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रोफेसर – देवांग मेहता बिजनेस स्कूल पुरस्कार 2012

प्रो. थोमस जोसफ

उत्तम रणनीति प्रोफेसर 2012 के लिए पुरस्कार – हेडलाइंस टुडे

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, प्रवासन एवं विकास

प्रकरण शोध (Case Research)

प्रकरण अध्ययन आधारित शिक्षण, अभिनव सोच को प्रोत्साहित करती है और छात्रों को वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में सैद्धान्तिक व्यवहारिकता को समझने में सक्षम बनाती है। आदर्श समाधान पर विचारावेश, विभिन्न संभावित परिदृश्यों की जानकारी और परिणामों की जटिलता को देखते हुए, क्रियात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है। इस सीखने की प्रक्रिया में छात्रों की भूमिका महज़ ज्ञान को ग्रहण करने की नहीं बल्कि उसमे योगदानकर्ता के रूप में योगदान देने की भी हैं।

लंबे समय से, अच्छी गुणवत्ता वाले प्रकरण अध्ययन के लिए हार्वर्ड बिजनेस स्कूल (एचबीएस) दुनिया भर में व्यवसायिक स्कूलों के लिए उपयुक्त सेवा प्रदान करने का सबसे बड़ा स्रोत है। एचबीएस एक ग्लोबल रिचर्स सेंटर और छह क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र दोनों को परिचालित कर रही है। इन केन्द्रों द्वारा दुनिया भर में बिजनेस स्कूलों में उपयोगार्थ होने वाली प्रकरण अध्ययन के विकास को प्रोत्साहित किया जाता है। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के द्वारा अपनाए गए मॉडल के समान एक पूर्ण प्रकरण के अनुसंधान केन्द्र की जरूरत है जिससे प्रेरित होकर आईआईएम उदयपुर में अनुसंधान और विकास समिति बनाई गई हैं जो प्रकरण लेखन के लिए एक समूह के गठन के लिए चर्चा शुरू कर चुकी हैं। हार्वर्ड मॉडल निश्चित रूप से प्रेरणा के एक स्रोत के रूप में कार्य करता है। हालांकि आईआईएमयू की दूरदर्शिता सिर्फ इस तक सीमित नहीं हैं।

आईआईएम उदयपुर प्रकरण शोध के समूह के लिए निम्नांकित मिशन स्थापित कर चुका हैः

''प्रकरण लेखन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और सभी विषयों के लिए व्यावहारिक मामला अध्ययन के एक स्रोत के रूप में वैश्विक मान्यता हासिल करना।''

इसका उद्देश्य प्रकरण शोध और लेखन का संचालन करने के लिए एक औपचारिक संरचना स्थापित करना है। प्रकरण अध्ययन के विषय का चयन सावधानीपूर्वक संबंधित संकाय सदस्यों के साथ गहन विचार विमर्श कर यह सुनिश्चित करने के उपरांत किया जाता हैं कि संबंधित प्रकरण अध्ययन का उपयोग शिक्षण सामग्री और सिद्धांतों के रूप में प्रोग्राम पाठ्यक्रम को प्रबलता प्रदान करता हो। वास्तविक दुनिया के परिप्रेक्ष्य से समस्याओं को विश्लेषित कर उनका व्यावहारिक समाधान जुटाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रकरण अध्ययन का निर्माण किया गया हैं। इसके लिए समूह, सीखने के लिए उन्नत उपकरणों को विकसित करने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता हैं।

उत्कृष्टता के केंद्र
विकास प्रबंधन केंद्र

आईआईएम उदयपुर में विकास प्रबंधन केंद्र (सीडीएम) एक प्रबंधन शिक्षा संस्थान द्वारा स्थापित एक अद्वितीय अनुसंधान केंद्र है। आईआईएम उदयपुर और ड्यूक विश्वविद्यालय के रिसर्च कंसोर्टियम ने आईआईएम उदयपुर में उन विषयों पर अपना ध्यान केन्द्रित कर अनुदान का समर्थन किया हैं जो राजस्थान में विकास के विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं। संभवतः यह दुनिया के कुछ केंद्रों में से है जो बेहतर मौजूदा विकास के प्रयासों को सक्षम करने एवं प्रबंधन कौशल का दोहन करने के लिए प्रयासरत है। सीडीएम सामाजिक परिवर्तन की एक सामाजिक परिवर्तनकारी और समावेशी प्रक्रिया के रूप में विकास पर अपने विचार रखता है। यह सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन ज्ञान के विकास की उच्च अवस्था को एक साथ लाकर भारतीय समाज में विकास की चुनौतियों के दृष्टिकोण के सार्थक तरीके खोजने के लिए उत्सुक है। सीडीएम राजस्थान और साथ ही भारत से संबंधित सामाजिक मुद्दों के बारे में एक अग्रणी ज्ञानाधार बनाने की आकांक्षा रखता है।

उद्यमिता और अभिनव केंद्र

छात्र समुदाय के बीच उद्यमशीलता की पहल और उसके आसपास के क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करने की दृष्टि से आईआईएम उदयपुर का उद्यमिता और अभिनव केंद्र विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। महिला उद्यमियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम इस केंद्र की प्रमुख गतिविधियों में से एक हैं।

महिला उद्यमियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम – 2013

भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर ने अपने इन प्रयासों को समुदाय में वृहद पैमाने पर विस्तृत करने के लिए एक अनोखे कार्यक्रम का आगाज़ प्रथम वर्ष से ही शुरू कर दिया हैं। महिला उद्यमियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम अपने आप में एक अनोखा कार्यक्रम था क्योंकि यह उन्हें ही ध्यान में रखकर बनाया गया था और पहले व वर्तमान में भी यह केवल आईआईएमयू द्वारा ही चलाया जा रहा हैं। राजस्थान हमेशा उद्यमशीलता की भूमि रहा है और आईआईएमयू इस कार्यक्रम के माध्यम से समस्त प्रकार की उद्यमी गतिविधियों के पीछे महिला शक्ति को प्रोत्साहित और आकर्षित करना चाहता हैं।

इस कार्यक्रम का प्रथम संस्करण एमडीपीडब्लयूई (MDPWE) के रूप में जाना जाता हैं जिसकी शुरुआत 9 अप्रैल 2012 को हुई थी। कार्यक्रम का उद्देश्य राजस्थान के अधिवासियों को विशेष जोर देने के साथ ही देश के विभिन्न भागों से मौजूदा महिला उद्यमियों और उनकी क्षमता को निखारना हैं। यह समस्त प्रतिभागियों में व्यापार के सभी पहलुओं को देखने के एक संरचित तरीके को उजागर करने के साथ ही उनके व्यापारिक विचारो को निखारना व शिखरता प्रदान करने के मुख्य विचार से बनाया गया, जिसका समापन 23 मई 2013 को हुआ। उन्हें इस छह सप्ताह तक के गहन कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापार रणनीति, वित्त, लेखा, विपणन और बिक्री, संचालन, मानव संसाधन, बैंकिंग, कानून इत्यादि सहित एक व्यवसाय को चलाने के आयामों का अनुभव प्रदान करना था। उन्हें व्यक्तिगत विकास और संचार पर भी प्रशिक्षित किया गया। सभी प्रतिभागी ढाई सप्ताह पूर्ण होने के उपरांत अपनी व्यापार योजना पर काम करने के लिए वापस लौट गए। उनकी पुर्नवापसी के उपरांत उनकी योजनाओं को आईआईएमयू के संकाय सदस्यों और अन्य औद्योगिक विशेषज्ञों के द्वारा निखारा गया।

इस कार्यक्रम में 21 प्रतिभागी थे जिनमें राजस्थान के विभिन्न शहरों से ही नहीं बल्कि बंगलौर, कोलकाता और पंजाब की तरह दूरस्थ स्थानों के साथ महिला उद्यमी भी शामिल थे। वे कारोबारी थे या किसी एक कारोबार जैसे शिक्षा, खुदरा बिक्री , फैशन डिजाइनिंग, प्रबंधन परामर्श, स्वास्थ्यसेवा, वास्तुकला, औषधीय पौधों की खेती, और यहाँ तक कि खाना पकाने में शामिल होने की योजना रखते थे। उक्त कार्यक्रम इस विविध पृष्ठभूमि की वजह से शिक्षकों और प्रतिभागियों के लिए ओर अधिक रोचक हो गया। अंतिम दो दिनों में प्रतिभागियों ने विशषज्ञों की एक पैनल के सम्मुख अपने व्यापार की योजना प्रस्तुत की और उन्हें अंतिम समापन सत्र में निदेशक द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

छात्र क्रियाकलाप

शैक्षणिक परिषद्

आईआईएम उदयपुर के शैक्षणिक परिषद् का निर्माण पीजीपी–2 से 6 छात्रों, पीजीपी–1 से 6 छात्रों और पीजीपीएक्स छात्रों के प्रतिनिधित्व से मिलकर बना एक छात्र निकाय है। समिति का मुख्य एजेंडा यह सुनिश्चित करना है कि संस्थान के छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के साथ व्यक्तिपरक विविध आवश्यकताओं को यथासंभव सीमा तक संतुष्टि प्रदान हो। परिषद्, पीजीपी कार्यालय और अन्य हितधारकों के साथ समन्वय कर आईआईएम उदयपुर के शैक्षिक समयावली निर्माण में मदद करती है।

शैक्षणिक परिषद् की कुछ पहल निम्न है :

1. पाठ्यक्रम का चयन व पाठ्यक्रम समयावली की तैयारी करना।
2. मांग सर्वेक्षण का संचालन और समस्त छात्रों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए यथोचित पाठ्यक्रम को सुनिश्चित करना।
3. पाठ्यक्रम के चयन के दौरान निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया को सुनिश्चित करना।
4. प्रत्येक विषय के लिए कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव।
5. कक्षा में वर्धित रूप में सीखाने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों के बीच एक सहकार के रूप में भूमिका का निर्वाह करना।
6. छात्रों के शैक्षिक संबंधित द्वंद और मुद्दों का हल।
7. विशेष पाठ्यक्रमों में अवधारणाओं की समझ बढ़ाने के लिए शैक्षणिक सत्र का आयोजन।

जब छात्र–संस्थान में सम्पर्क होता है तब शैक्षणिक परिषद पहिये में दाँते के समान कार्य करती है।

कोड रेड (Code RED)

कोड रेड आईआईएम उदयपुर के समारोह का एक आयोजनार्थ क्लब है, जो शैक्षिक और सामाजिक सीमाओं का पालन कर, जितना संभव हो सके छात्रों के जीवन को जीवंत बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। क्लब का उद्देश्य है आईआईएमयू समुदाय को उत्साहित करते हुए परिसर में जीवन शैली क्लब बनाना। क्लब का उद्देश्य आईआईएमयू में पढ़ाई की कठोरता और एक बी–स्कूल जीवन के अन्य महीन पहलुओं के बीच एक सही संतुलन बनाना है।

- **2012–2014 बैच के नवीन विद्यार्थियों के लिए** : नए शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के साथ नए बैच का परिसर में स्वागत के साथ रात्रिभोज और वरिष्ठ छात्रों के मिलन का आयोजन किया गया।
- **लेक्साइडर्स ओपनिंग इवेंट** : क्लू–फ्लू सीजन 2012 के उद्घाटन समारोह में लेक्साइडर्स की तरफ से एक छोटी सी पार्टी का आयोजन किया गया।
- **अद्भुत दौड** : सुराग खोजने की प्रतियोगिता और उदयपुर के चारों तरफ की गतिविधियों के रूप में एक अद्वितीय कार्यक्रम का आयोजन पॉटपुरी के सहयोग से किया गया।
- **2011–13 बैच की विदाई** : मार्च 2013 के अंत में, आईआईएमयू के अग्रणी छात्रों जिन्होंने अपना पीजीपी पाठ्यक्रम आईआईएम उदयपुर से पूर्ण कर लिया था के लिए एक विदाई रात्रिभोज का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों और उनके माता–पिता के लिए एक खुला निमंत्रण था।

कनेक्टआईटी – आईआईएम उदयपुर का आईटी क्लब

कनेक्टआईटी विश्व स्तर के आईटी बुनियादी ढांचा को उपलब्ध कराने और एक ही समय में बेहतर निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए छात्रों को सुसज्जित कर छात्र समुदाय के बीच सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिरूचि विकसित करता है व उसे बढ़ावा देता है।

- **पीडब्ल्यूएनडी, गेमिंग क्लब :** खेल अनुकरणकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरी करने के उद्देश्य के साथ कनेक्टआईटी ने पीडब्ल्यूएनडी, गेमिंग क्लब के निर्माण में पहला कदम रखा।
- **इन्फिनिट प्लेलिस्ट :** कनेक्टआईटी ने अच्छा संगीत साझा करने के लिए इन्फिनिट प्लेलिस्ट नामक एक विशेष रूचि समूह बनाने में पहला कदम उठाया।
- **क्रिएटिविटी :** कनेक्टआईटी ने गूगल प्लस के साथ फोटोग्राफिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जो की कार्यक्रम का अधिकाधिक साझेदार था।
- **वेबसाइट डिजाइनिंग :** कनेक्ट आईटी ने फिनोमिना, वित्त क्लब, लीडरशिप समिट, आईआईएम उदयपुर के प्रमुख ईवेंट के लिए वेबसाइट डिजाइन किए।

कन्सल्ट–यू

कन्सल्ट–यू भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर का परामर्श क्लब हैं जो संस्थान और उद्योग के मध्य एक सेतु के रूप में कार्य करता हैं। यह संस्थान के छात्रों को प्रबंधन परामर्श के लिए उद्योग जगत की सजीव परियोजनाओं के सन्निकर्ष कर अनुमति प्रदान करता है। क्लब छात्रो के लिए बाह्य दुनिया के परिपेक्ष्य में श्रेणीवार सीखने और वे जिस संस्थान के लिए कार्य कर रहे हैं के आदर्श को बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। क्लब छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए सलाहकार फर्मों के नेतृत्वकर्ता को आमंत्रित करता हैं। कन्सल्ट–यू प्रबंधन परामर्श की दुनिया के लिए छात्रों को पेश करता है और उसी में एक उद्यमी कैरियर के लिए उन्हें तैयार करता है। कन्सल्ट–यू केस अध्ययन कार्यक्रम और छात्रों को अपनी बेहतरीन रणनीति को आगे कर चुनौतिया देने वाले कार्यक्रम को आयोजित करता है।

- **केस नट्स** – कन्सल्ट–यू ने सफलतापूर्वक एक केस अध्ययन आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया। केस नट्स–अंतर महाविद्यालय केस अध्ययन चुनौती, जिसको जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली में भाग लेने वाले छात्रों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रणनीति दी और उन्होंने न्यायाधीशों की एक प्रतिष्ठित पैनल के सामने अपने केस विश्लेषण पेश किए। सभी ने कार्यक्रम में अच्छा समय बिताया, जिसमें सभी प्रतियोगियों को सीखने के अवसर प्राप्त हुए। पुरस्कार के रूप में नकद, प्रमाण पत्र और क्लब के साथ सजीव परियोजना पर काम करने का अवसर प्राप्त हुआ।
- **औद्योगिक परियोजनाऐं** – क्लब ने एक उद्योग परियोजना को पूरा किया जो की उदयपुर स्थित फर्म के लिए, प्रतिस्पर्धी विश्लेषण और विपणन की योजना को प्रारूपित करने पर आधारित था। क्लब को एक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली तथा साथ ही साथ संगठन से प्रायोजन भी मिला।

कल्कॉम

- **अनवाइंडः** अनवाइंड एक मंच है जहाँ नए कलाकारों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आने वाले बैच के वर्ग एक दूसरे के खिलाफ विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे नृत्य, नाटक, माइम, संगीत केरेओके, रैंप शो और बहुत कुछ में, प्रतिस्पर्धा करते है।
- **गरबा और दशहरा समारोह :** आईआईएम उदयपुर भारतीय संस्कृति, नृत्य, संगीत, और कला रूपों की समृद्धि और विविधता को संजोय रखता है। उसी जोश में भारत की सभी दिशाओं से संबंधित छात्रों के द्वारा गरबा समारोह मनाया जाता है। परिसर में दशहरा समारोह भी रामलीला, डांडिया और अन्य उत्सवों की तरह मंत्रमुग्ध कर देने जैसा मनाया जाता है।

- **दिवाली समारोह :** एक भव्य दिवाली समारोह छात्रों, अध्यापकों, कर्मचारियों के साथ मनाया गया। सभी ने पारंपरिक पोशाक पहन कर शाम के माहौल में चार चाँद लगा दिए। रात एक व्यंग रचना प्रदर्शन, नृत्य प्रदर्शन और केरेओके के एक दौर के साथ समाप्त हुआ। छात्रों ने उड़ान लालटेन भी जलाई और गुलाबी, सफेद, नीले रंग के सितारा कागज – गुब्बारे उड़ाए।
- **स्वतंत्रता दिवस :** कल्कॉम ने पूरे आईआईएम उदयपुर समुदाय के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। ध्वजारोहण निदेशक प्रो. जनत शाह द्वारा किया गया था और इसके बाद एक समूह गीत और सांस्कृतिक समिति द्वारा एक छोटा सा नाटक प्रस्तुत किया गया। प्रशासन ने कार्यक्रम होने के बाद छात्रों और कर्मचारियों के लिए स्नैक्स और मिठाई की व्यवस्था की।
- **लोहरी :** परंपरागत रूप से रबी फसलों की कटाई के साथ जुड़ा यह उत्सव सर्दियों के मौसम के चरम काल के दौरान मनाया जाता है। इस अवसर पर आईआईएम उदयपुर की सांस्कृतिक समिति द्वारा समारोह का आयोजन किया गया और एक अलाव की व्यवस्था की गई।

फिनोमिना, आईआईएम उदयपुर का वित्त क्लब

फिनोमिना, आईआईएम उदयपुर के वित्त क्लब के पीछे की मूल विचारधारा वित्तीय सेवा उद्योग के विभिन्न क्षेत्र और अन्य उद्योगों में वित्त प्रोफाइल के बारे में छात्रों के बीच रूचि को बढ़ाने और जागरूकता पैदा करना है। क्लब छात्रों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है और साथ ही उनके वित्त क्षेत्र में कैरियर को आगे बढ़ाने और उन्हें ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और अंतिम प्लेसमेंट के लिए तैयार करने में मदद करता है। दुनिया भर में बिजनेस स्कूलों से शिक्षकों के साथ और उद्योग के भीतर प्रतिष्ठित नामों के साथ वार्ता के आयोजन से छात्र को बढ़ावा देना क्लब का उद्देश्य है। फिनोमिना ब्लूमबर्ग प्रयोगशाला का संरक्षक है और आईआईएम उदयपुर छात्रों के बीच इसके उपयोग को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है।

- ओपन आउटक्राइ 2012: एक बाजार अनुकार खेल है जिसमें हर खिलाड़ी खरीदार और विक्रेता दोनों है और जिसके पास मांग है पूर्ति के लिए और आपूर्ति है बेचने के लिए। यह प्रतिभागी का कार्यक्रम दोनों पीजीपी 1 और पीजीपी 2 के लिए खुला था।
- **वित्त ज्ञान सत्र:** फिनोमिना ने 18 अक्टूबर 2012 को वित्त ज्ञान सत्र का आयोजन किया । इस सत्र में वित्त की कई बुनियादी बातों और मूल्यांकन, पीई और पूंजी बाजार जैसे विषयों का समाविष्ट किया गया।
- **फिन टॉक्स :** 25 फरवरी 2012 को प्रो. अस्वत दमोदरन ने पहले फिन टॉक कार्यक्रम पर आईआईएम उदयपुर के छात्रों के साथ वार्तालाप की। यह वार्तालाप स्काइप के माध्यम से संचालित हुई थी। प्रो. अस्वत दामोदारन ने निगमित मूल्यांकन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विषयों को समाविष्ट किया और छात्रों द्वारा रखे विभिन्न सवालों के जवाब दिए। यह एक बहुत सफलतापूर्वक आयोजन था जिसमें छात्रों की उपस्थिति 120 थी।
- **ब्लूमबर्ग शिक्षण सत्र:** ब्लूमबर्ग प्रशिक्षण सत्र की एक श्रृंखला पीजीपी 2 के इच्छुक छात्रों के लिए फिनोमिना के पीजीपी–2 सदस्यों द्वारा आयोजित की गई।
- **ब्लूमबर्ग कार्यक्रम :** नीलेश नाईक, मुख्य – जोखिम प्रबंधन, एल एंड टी निवेश प्रबंधन के साथ ब्लूमबर्ग कार्यक्रम : नीलेश नाईक के साथ कार्यक्रम 2 फरवरी 2012 को शुरू हुआ था। पूरे अगले महीने में, इच्छुक छात्रों ने 4–5 सदस्यों के समूह का गठन किया और नीलेश नाईक द्वारा दी गई परियोजनाओं पर साथ काम किया।
- **वित्तिय फरवरी :** वित्त सम्मेलन अर्थ–संवाद 2013 के भाग के रूप में, फिनोमिना ने फरवरी के महीने में कार्यक्रमो की एक श्रृंखला का आयोजन किया। यह थे :

केमिकेज़ – ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी हर दूसरे दिन
लोगोफीलिया – साप्ताहिक वर्ग पहेली
मॉक संवाद – मॉक पैनल चर्चा – 8 वक्ताओं के 2 पैनल के साथ
ऑनलाइन शेयर बाजार चुनौती : यह 20 से 22 फरवरी तक आयोजित की गई थी। यह ओपनमार्केट्स डॉट इन, आभासी व्यापार के लिए खुला मंच के साथ आयोजित की गयी। खेल ने वास्तविक समय के शेयर मूल्यों का पालन किया और खिलाड़ियों ने आभासी शेयर बेचे / खरीदे। जिसके लिए उन्हें उनके पोर्टफोलियों के निर्माण के लिए 15 लाख रूपये की प्रारंभिक आभासी पूंजी दी गयी।

- **अर्थ संवाद 2013** : यह उदयपुर में इंदर रेजिडेंसी में 3 मार्च 2013 को आयोजित किया गया था। जो फिनोमिना का प्रमुख कार्यक्रम था। उद्घाटनात्मक विषय था ''क्या दुनिया के बाकी हिस्सों से भारती व्यवसाय अलग हैं'' कार्यक्रम में एक पैनल चर्चा और एक इंटर कॉलेज प्रस्तुति चुनौती थी। पैनल चर्चा के लिए जाने माने उद्योग के मुख्याओं, प्रमुख कंपनियों के सीएफओ अर्थात अधिकारी उपस्थित थे जैसे शैपूजी पैलोनजी समूह, जाइडस कैडिला, जीई इंडिया और ऑरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज। कार्यक्रम को यश बैंक ने प्रायोजित किया एवं सह–प्रायोजित राजस्थान राज्य खान एवं खनिज, इलेक्ट्रा और लिक्रा ने किया। कार्यक्रम के प्रचार भागीदारों में लेनोवो, पिज्जा हट, केएफसी और यूबी लाइफ थे
- **अर्थाथ** : क्लब के सदस्यों द्वारा योगदान के साथ अर्थाथ हर तिमाही प्रकाशित किया गया।

आईरिस : आईआईएम उदयपुर की फोटोग्राफी क्लब

आइरिस परिसर में होने वाले सभी कार्यक्रमों को कैद करता है, चाहे वो अतिथि वक्ता हो या अन्य कार्यक्रम/समारोह हो। परिसर में कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु आइरिस समूह दूसरे क्लब और समूह के साथ मिलकर रचना करती है। यह चित्र / वीडियो का एक डेटाबेस रखती है और क्लब / समितियों को प्रेस विज्ञप्ति के लिए रिलीज करती है। क्लब का उद्देश्य है सामजिक मीडिया प्लेटफॉम पर आईआईएमयू के सजीव जीवन का प्रदर्शन करना।

आईआरआईएस टीम ने कॉलेज मे हो रही सभी गतिविधियों को कैद करने की सूविधा दी। कामकाज के अपने 1 महीने में, टीम ने निम्नलिखित घटनाओं को कवर किया :

1. फुड फेस्ट – 24.02.2013 – 27.02.2013

2. लीपडे लिटफेस्ट – **28.02.2013**

3. अर्थ संवाद – **03.03.2013**

4. पायोनियर बैच विदाई – **09.03.2013**

दीक्षांत समारोह रात्रिभोज – 21.03.2013

5. पहला वार्षिक दीक्षान्त समारोह – 22.03.2013

लेकसाइडर्स – खेल समिति, आईआईएम उदयपुर

लेकसाइडर्स आईआईएम उदयपुर की खेल समिति है जो आईआईएमयू के साल भर के विभिन्न खेलों का प्रतिनिधित्व करने और बाहरी टूर्नामेंट में संस्थान की खेल टीम का चयन करने के लिए जिम्मेदार है।

फुटबॉल और क्रिकेट लीग के लिए टीमों की नीलामी

- प्रत्येक टीम के पास 4 लड़कियां मालिक थी।
- फुटबॉल और क्रिकेट लीग के लिए कुल 6 टीम गठित थी।
- खिलाड़ियों को मालिकों द्वारा प्रदान किये गये आभासी धन के माध्यम से नीलाम किया गया।

उदयपुर की फुटबॉल लीग –

- आईआईएम उदयपुर की 6 टीमों ने फुटबॉल लीग के दूसरे संस्करण में भाग लिया।
- टीम मे पीजीपी 1 और पीजीपी 2 से कुल 9 सदस्य शामिल थे।
- उदयपुर की टीम अंत में विजेता के रूप में उभरी।

उदयपुर की क्रिकेट लीग –

- 6 टीमों ने आईआईएम उदयपुर की क्रिकेट लीग के दूसरे संस्करण में भाग लिया।
- पीजीपी 1 और पीजीपी 2 दोनों से 11 सदस्यों की टीम शामिल हुई।
- कार्यक्रम में लीग और नॉक आउट दोनों खेल थे।

इंटर–बैच वॉली–बॉल टूर्नामेंट –

- कुल 6 टीम पीजीपी 1 और पीजीपी 2 बैच से गठित हुई थी।
- सभी मैच रात के समय हुए।
- प्रारंभिक लीग दौर के बाद फाइनल दौर था।

बैडमिंटन टूर्नामेंट –

- पीजीपी 1, पीजीपी 2, और पीजीपीएक्स बैच के छात्रों ने भारी संख्या में भाग लिया।
- इस कार्यक्रम का प्रारूप पुरूष एकल, महिला एकल और युगल था।

टेबल टेनिस टूर्नामेंट –

- टीटी टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में भारी संख्या में भागीदारी को देखा गया।
- खेल का प्रारूप एकल और युगल था।

क्रय–विक्रय समिति

समिति का उद्देश्य भारतीय प्रबंधन संस्थान के ब्रांड को बढ़ावा देना, सदस्यों और गैर–सदस्यों के दिलों दिमाग पर असीम छाप छोड़ने के लिए क्रियाकलाप करना जैसे की टी–शर्ट, स्वेट शर्ट, मग, कमल, डायरी इत्यादि पर छाप बनवाकर छात्रों, अध्यापको और समितियो को दिया जाना। समिति का दायरा संस्था की विभिन्न उपयोगी जरूरतों के अनुसार विस्तृत होता है।

मीडिया और उद्योग अंतक्रिया प्रकोष्ठ (MIIC)

मीडिया और उद्योग अंतक्रिया प्रकोष्ठ (MIIC), आईआईएमयू की मीडिया और उद्योगों से संबंध का समूह हैं। नाम के अनुसार यह अपने प्रतिमान के तहत दो उप समूहों अर्थात् मीडिया और आईआईसी है। मीडिया प्रकोष्ठ जन संपर्क पहल की सुविधा के द्वारा आईआईएमयू और उसकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास करती हैं। मुख्य फोकस छात्रों को उद्योग के साथ बातचीत करने के लिए एक अंतराफलक प्रदान करना है। मीडिया और उद्योग अंतक्रिया प्रकोष्ठ, आईआईएमयू के निदेशक और प्रबंधक – छात्र मामलों की प्रत्यक्ष निगरानी में कार्य करता है। समूह का इरादा संस्थान और उनके साथियों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करना हैं। हमारे सभी प्रयास और गतिविधियाँ आईआईएमयू के सर्वव्यापी गठबंधन और उत्कृष्टता पर ध्यान देते हुए किये जा रहे है।

- **लीडरशिप समिट 2012** : लीडरशिप समिट 2012 की शुरूआत भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर में बड़ी धूमधाम के साथ की गई। सम्मेलन का उद्घाटन श्री अरविन्द सिंह जी के पुत्र लक्ष्यराज सिंह जी मेवाड़ के करकमलों के द्वारा सिटी पैलेस के उत्तम दरबार हॉल में किया गया। कार्यक्रम की कार्यवाही आईआईएमयू के निदेशक प्रो. जनत शाह की अभिनंदावली से हुई। श्री लक्ष्यराज सिंह जी मेवाड़ ने सभा को संबोधित किया और एक अच्छा इंसान होने के महत्व पर बल देते हुए जीवन में सफलता का मंच कर्मठता के फलस्वरूप ही आता हैं के बारे में बतलाया। श्री प्रदीप कश्यप, सीईओ, मार्ट और कार्यकारी व्यवस्थापक, भारतीय ग्रामीण विपणन संघ ने कार्यक्रम में नवाचार और निष्पादन पर मुख्य भाषण में ''एक सामाजिक कारण के साथ व्यापारिक सोच'' के बारे में बतलाया। उदयपुर से दर्शकों जिसमें विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और उद्यमियों के साथ साथ छात्रों और आईआईएमयू के प्राध्यापक भी शामिल थे के द्वारा उनके सवालों पर चर्चा के फलस्वरूप सभा और रंगमय हो गई।
- **कॉनफ्रेब बाई द लेक** : इस व्याख्यान श्रृंखला में छात्रों के साथ परिचर्चा करने के लिए अनेक उद्योगों और अन्य सामाजिक वर्गों से शानदार वक्ताओं को आमंत्रित किया गया। इस श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को उन लोगों के साथ परिचर्चा का अवसर प्रदान कर उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाना हैं।

- **कैट उम्मीदवारों से बातचीत** : आईआईएम उदयपुर की मीडिया और उद्योग अंतक्रिया प्रकोष्ठ के छात्रों द्वारा प्रतिवर्ष कैट उम्मीदवारों से नए आईआईएम के साक्षात्कार की तैयारी और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य हाथ में लिया गया। साक्षात्कार के पश्चात् आईआईएम उदयपुर की सूची में चुने हुए उम्मीदवारों को संस्थान आधारभूत ढांचे, प्राध्यापक, पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी को छात्रों से साझा करता हैं। जनवरी 2012 और जून 2012 के दौरान यही प्रक्रिया दोहराई गई और उम्मीदवारों को सूची विकल्प बताने में मदद की गई।
- **संचार माध्यम** : मीडिया टीम परिसर की समस्त गतिविधियों को बाहरी दुनिया में पेश करे जाने को सुनिश्चित करने का कार्य करता हैं। संस्थान या क्लब और समितियों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। इसके अलावा, आयोजित गतिविधियों को मीडिया कवरेज प्रदान किया गया। अर्थसंवाद और प्रथम वार्षिक दीक्षांत समारोह जैसी गतिविधियों के लिए डीडी न्यूज और टीवी 18 के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक मीडिया कवरेज को सुनिश्चित किया गया। इसी तरह प्रिंट मीडिया, सामाजिक मीडिया और ऑनलाइन मीडिया कवरेज को भी संस्थान के लिए सुनिश्चित किया गया।

पाई

व्यापार, अर्थशास्त्र, सरकार और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में मुद्दों पर चर्चा के लिए पाई आईआईएम उदयपुर का एक मंच/क्लब हैं। क्लब का मुख्य ध्येय छात्र समुदाय के मध्य विषय ज्ञान को सिखाना और विकसित करना तथा अर्थशास्त्र के क्षेत्र से संबंधित जागरूकता फैलाना हैं।

- पाई की प्रमुख पत्रिका–लांच ऑफ तथ्य
- पाई न्यूजलेटर

पॉटपुरी

पॉटपुरी भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर का साहित्यिक विचार मंच है। नाम और प्रतीक चिन्ह से प्रतीत होता हैं कि क्लब विभिन्न क्षेत्रों की प्रश्नोत्तरी, सार्वजनिक बोल, साहित्य और कला के विचारों के मिश्रण को बढ़ावा देने के साथ उधमी मनोरंजन भी प्रदान करता हैं।

- **सैटंस ट्राईफेक्टा** : पॉटपुरी एक तीन दिन की अवधि की गतिविधियों और घटनाओं के एक मिश्रण के साथ ''जाम–एक मिनिट'', ''अच्छा शब्द क्या है?'', फिल्म स्क्रीनिंग और ऐसी बहुतसी विशेष शैली मे कॉलेज में कनिष्ठ का स्वागत करता है।
- **गूगल प्लस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी चुनौती** : गुगल हैंगआउट का उपयोग कार्यक्षेत्र के रूप में कर, यह प्रश्नोत्तरी एक दिलचस्प दृश्य–श्रव्य प्रश्नोत्तरी के साथ, सभी टीमों और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के प्रश्नकर्ताओं को एक साथ लायी।
- **स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस विशेष प्रश्नोत्तरी** : पॉटपुरी स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर विशेष प्रश्नोत्तरी आयोजित कराने की परम्परा को निभाता है, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और संकाय सदस्य भाग लेते है।
- **द लीप–डे लिटफ़ेस्ट** : द लीप–डे लिटफ़ेस्ट की अवधारणा थी की वह छात्रों और उदयपुर की जनता के लिए, प्रख्यात शब्द कारीगरों से पारम्परिक क्रिया का औश्र ज्ञान प्राप्त करने का मंच प्रदान करें। यह उत्सव हर साल 28 फरवरी पर मनाया जाएगा और एक अधिवर्ष के मामले में दो दिवसीय समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा।

यूएलएलएफ का लक्ष्य समकालीन भारतीय लेखन को एक उत्सव के रूप में मनाया जाना है साथ ही देश में बिजनेस स्कूल के छात्रों के बीच पढ़ने और लिखने के प्यार को बढ़ावा देना है। लीप–डे लिटफ़ेस्ट को श्री अश्विन सांधी और श्री राजीव जी मेनन ने सुशोभित किया जिन्होंने एक पैनल चर्चा की। 'नए युग कथा के माध्यम से भारतीय मिथक' द्वारा सुश्री रश्मि बंसल ने मुख्य भाषण के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस उत्सव का उद्देश्य आने वाले सालो में देश में किसी भी शीर्ष बिजनेस स्कूल में अपनी तरह का एकमात्र कार्यक्रम बनना और देश में अग्रणी साहित्यिक त्यौहारों में गिना जाना।

- **उदयपुर अद्भुत दौड़** : दो टीमों के रूप में छात्र और अध्यापक थे जिन्होंने एक रोमांचक समय में शहर का अन्वेषण किया। उन्होंने बागोर की हवेली में कठपुतली पर हाथ आजमाया, कुम्हार बने और शिल्पग्राम में नाजुक लघु चित्रों को बनाने की कोशिश की। वे हनुमान घाट पर ठंडे पानी में डुबकी लगाने के काफी इच्छुक थे। एक और रोमांचक काम को अंजाम दिया गया जो सुखाड़िया सर्कल पर था, जिसमें उन्होंने कुछ साहसी ग्राहकों को पानी पुरी बनाकर खिलाई । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उदयपुर के आसपास के पयर्टन गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और आयोजक यह उम्मीद करते है की इसमें वार्षिक स्थिरता बनी रहें और राजस्थान से बाहर के छात्रों की भागीदारी भी अच्छी तरह से रहें।

प्रयत्न–आईआईएम उदयपुर का सामाजिक जिम्मेदारी क्लब

प्रयत्न–आईआईएम उदयपुर का सामाजिक जिम्मेदारी क्लब हैं, जो सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संस्थान के भविष्य के व्यापार जगत के नेतृत्व को जागरूक करने का प्रयास करता है। टीम प्रयत्न लगातार निम्नलिखित विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में जमीनी स्तर पर बातचीत के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का प्रयास करता है।

- शिक्षा
- हेल्थकेयर
- वातावरण

इस क्लब के लक्ष्य :

1. क्लब द्वारा चलाई गई विभिन्न गतिविधियों से आईआईएमयू समुदाय को आकर्षित करना और प्रेरित करना।
2. आवश्यकतानुसार हमारी प्रणाली और लोगों के सामने आ रहे मुद्दों का समाधान करने के लिए अग्रसक्रियता दिखाकर अपने प्रबंधकीय इनपुट को प्रस्तुत करना।
3. सुविधाओं से वंचित समाज के लिए विभिन्न कार्यक्रम और रूपरेखा तैयार करना।

- **रक्तदान शिविर–2012** : आईआईएमयू उदयपुर के प्रयत्न क्लब ने भारत के 66 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए परिसर में मीरा रोटरी क्लब, एम.बी. अस्पताल और नाकों के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जरूरतमंदों की सहायतार्थ कुल 62 इकाई रक्त जो की 22 लीटर रक्त होता हैं महाराणा भूपाल महाविद्यालय (सरकारी अस्पताल) को दान किया।

- **ईद और ओणम उत्सव** : इस उत्सव को सद्भाव और एकता के प्रतीक के रूप में मनाया गया।
- **वृक्षारोपण अभियान** : अक्टूबर 2012, हमारा नया परिसर जो उदयपुर के बलीचा में आ रहा हैं में प्रयत्न क्लब द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। पूरे आईआईएमयू समुदाय ने हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा बनाने के क्रम में एक साथ सहयोग प्रदान किया।
- **शेयर योर जॉय 2012 (बाल सुधार गृह में दिवाली उत्सव)** : 13 नवम्बर 2012, जीवन ज्योति बाल सुधार गृह, सुखेर, उदयपुर में दीवाली के शुभ दिन पर आईआईएमयू परिवार जीवन ज्योति बाल सुधार गृह के बच्चों के साथ खुशी के कुछ पल साझा करने के लिए गया। जीवन ज्योति बाल सुधार गृह सरकार द्वारा चलाई जाने वाली बोर्डिंग स्कूल है जो उदयपुर के आस–पास के बाल श्रमिक या गरीब परिवारों के बच्चों के लिए हैं। वहाँ पर उन्हें अपनी कल्पना के माध्यम से चित्रकारी के द्वारा अपनी रचनात्मकता को दिखाने के लिए अनुमति दी गई। तत्पश्चात् आईआईएमयू छात्रों ने उनके साथ मिलकर विभिन्न खेल खेले।
- **कैम्पस कनेक्ट 1.0 : 8** दिसम्बर, 2012 को प्रयत्न ने शिक्षा निकेतन हाई स्कूल, उदयपुर से 28 स्कूली छात्रों को आमंत्रित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य उनमें विश्वास की भावना पैदा करना और उनके बड़े सपनो को साकार करने के लिए उन्हें सक्षमता प्रदान करने का था। पहली छमाही में, छात्रों को विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में बतलाया गया जिसका वे अनुकरण कर सकते हैं जिसे उनकी दुविधाओं के समाधान सत्र के साथ पूर्ण किया गया। दूसरी छमाही में, प्रत्येक छात्र के लिए हमारे पीजीपी कार्यक्रम से एक संरक्षक नियुक्त किया गया।
- **कैम्पस कनेक्ट 2.0** : पिछले कैम्पस कनेक्ट की सफलता के बाद, प्रयत्न ने शिक्षा निकेतन हाई स्कूल की छात्राओं पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर 3 फरवरी, 2013 को अपने दूसरे दौर का आयोजन किया । यहाँ लड़कियों की महत्वाकांक्षा, आकांक्षाओं और जीवन में कुछ करने से ओतप्रोत थी जिसे देखकर बहुत दिलचस्प लगा। सभी 22 लड़कियों के लिए आईआईएमयू से संरक्षक लडकियों को नियुक्त किया गया।

अविरत गतिविधि :

- **नवोन्मेष** : पहल की शुरूआत नवम्बर 2012 में हुई। यह पहल इस क्लब के सदस्यों द्वारा बच्चों को एक नवप्रवर्तनशील और सहजज्ञान संबंधी शिक्षा देना जिससे उनकी सोच का दायरा विस्तृत हो और जो कुछ भी सिर्फ पाठ्यक्रम में हैं से लूट–मार की बजाय उसका तर्काधार बाहर खोजने के लिए सक्षम बनाना। इस पहल का मूल उद्देश्य उस युवा मस्तिष्क का सर्वांगीण विकास करना है जिन्हें अपनी स्कूली शिक्षा के लिए बेहतर सुविधा नहीं मिलती और वे अच्छी शिक्षा पाने की चाह रखते हैं।

सक्षम – आईआईएमयू की ई–मेल

सक्षम का उद्देश्य आईआईएम उदयपुर में उद्यमशीलता की गतिविधियों को सहायक वातावरण के द्वारा प्रोत्साहित और सुविधा प्रदान करना हैं। क्लब भी संस्था के बाहर समर्थन सेवाएं प्रदान करके उद्यमशीलता को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे जो कि व्यावसायिक सफलता की संभावना को अधिकतम करेगा।

नवंबर 2012 में आइडीएट अंतर महाविद्यालय बी प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एक प्रख्यात कुलपति और उद्यमी श्री संजय आनंदराम एक न्यायमूर्ति और संभापति के रूप में इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

अतिरिक्त वार्ता का आयोजन किया गया और कुछ प्रतिभागियों में से श्री प्रणय चूलेट – सीईओ क्विकर, श्री गौरव मंत्री– संस्थापक सेरेब्रटा, सुश्री प्रीति सिंह – एनईएन ट्रस्ट के सदस्य और श्री महावीर प्रताप शर्मा टीआईई ग्लोबल बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। जनवरी 2013 में विचार पीढ़ी और अवसर के मूल्यांकन पर एक कार्यशाला का आयोजन श्री रजनीश भण्डारी, कार्यकारी व्यवस्थापक टीआईई जयपुर द्वारा किया गया।

सिल्वरटंगस – आईआईएम उदयपुर का टोस्टमास्टर्स क्लब

सिल्वरटंगस भारतीय प्रबंधन संस्थान का टोस्टमास्टर्स अध्याय हैं। टोस्टमास्टर्स क्लब के अलावा सिल्वरटंगस आईआईएम उदयपुर के सार्वजनिक बोल और लीडरशिप विकास क्लब के रूप में कार्य करता हैं।

टोस्टमास्टर्स क्लब का लक्ष्य पारम्परिक रूप से समर्थन और सकारात्मक सीखने का माहौल प्रदान करना हैं जिसमें प्रत्येक सदस्य को मौखिक संचार और नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान हो जिससे कि उनके आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा मिले।

- **साप्ताहिक टोस्टमास्टर्स सत्र** : सिल्वरटंगस सक्षम संप्रेषक और सक्षम नेता मॉड्यूल के पूरा होने की दिशा में एक साप्ताहिक आधार पर अपने सदस्यों के लिए टोस्टमास्टर्स सत्र आयोजित करता है।
- **क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिताएँ** : जून 2012 में सिल्वरटंगस ने क्षेत्र स्तर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमे जे–2 क्षेत्र के क्लब्स और सिल्वरटंगस के सदस्यों ने भाग लिया व सबसे सरस और सर्वश्रेष्ठ मूल्यांकनकर्ता के पुरस्कार जीते।
- **क्षेत्रीय प्रबंन्धकर्ता का भ्रमण** : जे–2 क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धकर्ता सुश्री पारूल त्यागी ने क्लब की कार्यवाही और कामकाज की निगरानी करने के लिए फरवरी 2013 में दौरा किया। सी.सी. और सी. एल. क्लब की जीवंत गतिविधियों और उसकी प्रगति के लिए प्रशंसा की।
- **उत्कृष्ट क्लब** : क्लब नवीनीकरण व दो सदस्यों – पीयूष सिंह और भुवन प्रशान्त की सीसीएस के पूरा होने के साथ मार्च 2013 में एक प्रतिष्ठित क्लब बन गया।
- **परामर्शदाता की स्थिति** : क्लब को अधिकारिक तौर पर टेक्नों इंडिया टोस्टमास्टर्स क्लब उदयपुर के लिए एक संरक्षक क्लब के तौर पर बनाया गया था।

स्केन (SKEIN)

स्केन, रणनीतिक और परिचालन सोच की विशुद्ध चित्तवृत्ति से प्रेरित आईआईएमयू की एससीएम और संचालन छात्र समूह है। क्लब का उद्देश्य छात्र समुदाय के लिए संचालन और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में अपने ज्ञान को पैना करने के लिए एक मंच प्रदान करना हैं। इस क्लब की शुरूआत आपूर्ति श्रृंखला के संचालन के क्षेत्र में वर्तमान व्यापार जगत के नेतृत्वकर्ता के ज्ञान का उपयोग कर परिवर्तन प्रतिनिधि बनाने की दृष्टि के साथ हुआ हैं।

- **समाख्या कार्यक्रम** : समाख्या एक प्रकरण पत्र प्रस्तुती प्रतियोगिता का आयोजन करता है जिसमें प्रमुख बिजनेस स्कूलों के द्वारा भाग लिया गया।
- **ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी** : स्केन द्वारा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डेयर टू थिंक डॉट कॉम पर किया जिसमें सभी प्रमुख व्यापारिक विद्यालयों ने भाग लिया।

उद्योग संयोजन

कार्यक्रम	पूरा नाम	पद का नाम	संस्था
लीडरशिप समिट	गणेश रामचंदरन	सहयोगी	ए.एम.सी.
लीडरशिप समिट	देवाशीष पोदार	सी.ई.ओ.	बॉम्बे डाईग
लीडरशिप समिट	सुधाकर पॉटुकुची	प्रमुख, नवीनीकरण केन्द्र	इटॉन इंडिया इंजिनियरिंग
लीडरशिप समिट	कोशिक राय	कार्यकारी व्यवथापक	रिलायन्स उद्योग लि.
लीडरशिप समिट	प्रदीप कश्यप	सी.ई.ओ.	मार्ट/रैमयी
लीडरशिप समिट	दिलीप मिश्रा	राष्ट्रपति और प्रमुख सामूहिक मानव संसाधन	जे. के. ग्रुप
लीडरशिप समिट	शंकर पी. आर.	प्रधान सेनापति	भारतीय सेना
लीडरशिप समिट	दामोदरन रामकृष्णन	निदेशक, स्मार्ट प्लेनेट सॉलूशन	आई.बी.एम.
लीडरशिप समिट	सुदर्शन जैन	नवोत्पाद प्रमुख	एबोट इंडिया
लीडरशिप समिट	दीपक धीर	एम एण्ड एम	सलाहाकार
अर्थ संवाद	नितिन पारिख	सी.एफ.ओ.	केडिला हेल्थकेयर
अर्थ संवाद	निपूर्ण मेहता	फाउण्डर एण्ड सी.ई.ओ.	ब्लूय ओशन केपीटल एडवाईजर
अर्थ संवाद	महेश थिलयानी	ग्रुप फाईन्श्यीयल कंट्रोलर	शेपुरजी पेलोनजी
अर्थ संवाद	दीपक डोगर	सी.एफ.ओ.	जीई ऐनरजी इंडिया
अर्थ संवाद	मकरंद पदालकर	सी.एफ.ओ.	ऑरेकल फाइन्शयल सर्विसेस
अर्थ संवाद	मनीष वोहरा	अध्यक्ष एवं मुख्य – गुजरात कॉपरेट एण्ड इंस्ट्टियूटनल एण्ड इंफ्रा बैंकिंग	यस बैंक
अर्थ संवाद	रमेश भट्ट	फोरमेन प्रोफेसर	आई.आई.एम. अहमदाबाद
अतिथि व्याख्यान	छवी राजावत	सोडा गाँव	सरपंच
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	प्रणय चुलेट	को–फाउण्डर एण्ड सी.ई.ओ.	क्वीकर
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	पर्श सेठ	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	एम.एन.सी. इनवेस्टमेन्ट बैंक
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	मेन्दर सिंह जुनेजा	प्रमुख दायित्व	आई.सी.आई. बैंक
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	वी.जी.एस. मणी	निदेशक–रसद	नेकिया इंडिया
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	अमित थवानि	कार्यकारी निदेशक	नमूरा फान्ईशयल एडवासरी एण्ड सिक्योरिटी इंडिया प्रायवेट लि.
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	संदीप बोर्डिया	हेड ऑफ रेसिडिन्सल एण्ड कर्मिशियल	बार्डलिज केपिटल
कॉनफ्रेब बाई दी लेक्स	गणेश रामचंदन	पार्टनर	एक्सेंचर कंसलटेनसी
अनुस्थापन दिन	प्रदीप भार्गव	प्रबंध निदेशक	कुयुमिन्स जनरेटर टेक्नोलॉजी इंडिया

वैश्वीकरण

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध में दोहरी उपाधि : भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर और पर्ड्यू विश्वविद्यालय क्रंनेर्ट प्रबंधन स्कूल ने वर्तमान की औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति और विश्वव्यापी जटिल आपूर्ति श्रृंखला से निपटने के लिए एवं छात्रों को सुसज्जित करने के लिए एक दोहरी डिग्री कार्यक्रम तैयार किया है। छात्रों को भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर द्वारा पीजीपीएक्स और पर्ड्यू विश्वविद्यालय यूएसए से एमएस द्वारा सम्मानित किया गया हैं।

संयुक्त अनुसंधान और संकाय विनिमय : आईआईएम उदयपुर और ड्यूक विश्वविद्यालय के रिसर्च कंसोर्टियम ने आईआईएम उदयपुर में उन विषयों पर अपना ध्यान केन्द्रित कर अनुदान का समर्थन किया हैं जो राजस्थान में विकास के विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं। विकास प्रबंध केद्र (CDM) ने संयुक्त अनुसंधान और संकाय विनिमय के तहत सैनफोर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, ड्यूक विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापित किया हैं। सीडीएम एक अनुसंधान केंद्र है जो भारत में विकास की चुनौतियों का समाधान प्रबंधन कौशल और सामाजिक विज्ञान को एक साथ लाकर गुणात्मक सामाजिक परिवर्तन को सक्षम बनाने के लिए करता हैं।

छात्र विनिमय कार्यक्रम (STEP) : छात्र विनिमय कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप में एक वैश्विक दिशा प्रदान करना हैं। आईआईएम उदयपुर, विनिमय छात्रों के अतिरिक्त यह सुनिश्चित करता है कि हमारे छात्रों और परिसर को अंतराष्ट्रीय दिशा का लाभ प्राप्त हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार / प्रथा (International Business in Practice-IBP) : आईआईएम उदयपुर अपने पीजीपी कोर्स के द्वितीय वर्ष के अंतर्गत एक अद्वितीय विकल्प प्रदान करता है – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रथा (आईबीपी), जिसके तहत छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ उनके विदेश स्थानों पर एक जीवंत परियोजना पर व्यवहारिक एवं क्रियाशील ढंग से काम करने का मौका प्राप्त होता है। छात्रों द्वारा इस वैकल्प के तौर पर नामंकनोपरांत संयुक्त अरब अमीरात और थाईलैण्ड जैसे देशों में कॉर्पोरेट और सांस्कृतिक अनुभवों को समृद्ध किया गया है। यह एक नियमित रूप से काम के माहौल की मांग और दबाव के साथ काम करते हुए छात्रों को एक बहु–सांस्कृतिक ढांचे में काम करने में मदद करता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण (International Internship) : हमारे छात्र प्रशिक्षण के लिए ब्रिटेन, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के लिए जा चुके हैं। प्रशिक्षण के दौरान छात्र गर्मियों में (Summer) अपने 2 माह कंपनियों में कार्य करते हैं, जो एक शैक्षणिक आवश्यकता हैं।

अंतराष्ट्रीय अतिथि संकाय : हम अमेरिका, यूरोप और एशिया से अतिथि संकाय सदस्य रखते है जो शैक्षिक या उद्योग जगत से होते है।

कार्यशालाएँ : उद्यमशीलता और सामाजिक मुद्दों पर ड्यूक विश्वविद्यालय, अमेरीका और सेंट गाल्लेन (Gallen), स्विट्जरलैण्ड के विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सहयोग से आईआईएम उदयपुर परिसर में कार्यशालाओं का आयोजन हो चुका है।

मूलभूत सुविधाएँ (Infrastructure)

पुस्तकालय

ग्रंथालय (पुस्तकालय) अपने उपयोगकर्ताओं को एक खोज प्रणाली प्रदान करती हैं जिसके तहत वे अपनी भौतिक पुस्तके व इलेक्ट्रोनिक डाटा खोज सकते हैं। यह संस्था के भीतर प्रयोग किया जाता है। ग्रंथालय उपयोगकर्ताओं और संगठन की आवश्यकता के अनुरूप मुद्रित और गैर मुद्रित सामग्री का चयन, अधिग्रहण, व्यवस्थापन व अनुरक्षण करता हैं तथा मुद्रित और गैर मुद्रित सामग्री, ई–संसाधन का अधिगम प्रदान करता हैं।

सम्पूर्ण वर्ष के दौरान ग्रंथालय ने अपने संग्रह में 1565 पुस्तकों का इजाफा किया।

ग्रंथालय संग्रह

संग्रहण प्रकार	मदों की संख्या
पुस्तके	1565
कार्य पत्र	07
सीडी (किताबें, डाटाबेस, प्रशिक्षण सामग्री इत्यादी)	54
अभिदत्त पत्र–पत्रिकाएँ	12
समाचार–पत्र	7
ई–संसाधन	11

ई–संसाधन

ग्रंथालय द्वारा कई कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रन्थसूची डेटाबेस और ई पत्रिकाओं को अभिदान किया जाता हैं।

अभिदत्त कंपनी / उद्योग / देशव्यापी डाटाबेस :

केपीटालाइन, सी एम आई ई (CMIE) - पूंजीगत व्यय, आर्थिक दृष्टिकोण, उद्योग विश्लेषण सेवा, कौशल, यूरोमोनिटर (GMID), क्रिसिल डेटाबेस आदि।

अभिदत्त ई जर्नल डेटाबेस :

सम्पूर्ण एबीआई/इन्फॉर्म, एब्स्को बिज़नस सोर्स कम्पलीट–प्रबंधन अनुसंधान डेटाबेस, उद्‌यमशीलता अनुसंधान डेटाबेस, अखबार संग्रह, पर्यावरण जागरूकता डाटाबेस, साइंस डायरेक्ट (एल्सेविएर–3 विषय संग्रह), जेस्टोर, इन्फोर्म्स पबसुइट, विले ऑनलाइन (10 पत्रिका संग्रह)

- ई बुक डेटाबेसः ईब्रेरी (प्रोक्वेस्ट – 1.2 लाख संग्रह)
- ई अखबार डेटाबेस : ई पत्रिकाओं के साथ साथ दुनिया भर से अधिक 2300 अखबार संग्रह
- कानूनी और अन्य डेटाबेस : विश्व बैंक ई पुस्तकालय , विश्व बैंक डाटा, विश्व विकास सूचक आदि

प्रयुक्त विशेष खोज सॉफ्टवेयर 360 कोर एब्स्को ऐ टू जी, ई संसाधन के उपयोगार्थ आंतरिक उपयोगकर्ताओं को रिमोट लॉगिन–एथेंस की सुविधा।

सेवाएं

- परिचालन, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस सूची, ऑनलाइन आरक्षण सुविधा

- पढ़ने की सुविधा, रेप्रोग्राफी, स्कैनिंग
- अन्तर पुस्तकालय ऋण, डेटाबेस खोज सेवा, दस्तावेज डिलिवरी और मेल अलर्ट सेवा

आईआईएम उदयपुर मे कम्प्यूटिंग सुविधाऐं

आईआईएमयू में कम्प्यूटिंग सुविधाऐं सम्पूर्ण परिसर में स्थित 250 से अधिक पीसी नोड्स को कई सर्वरों जो विविध प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम (लिनक्स और विंडोज सर्वर 2003/2008) का मेज़बान हैं के द्वारा प्रदान की जाती हैं। छात्रावास के समस्त कक्षों, संकायों, कार्यालयों, कक्षाओं, ब्लूमबर्ग प्रयोगशाला और प्रशासनिक कार्यालयों सहित परिसर में लगभग हर कार्यस्थल पर दोहरी नेटवर्क कनेक्टिविटी (वाईफ़ाई और गीगाबिट लैन) रखते हैं। इस परिसर नेटवर्क के माध्यम से, आईआईएमयू का पुस्तकालय सर्वर के अभिदत्त डेटाबेस, डोमेन नियंत्रक, इंटरनेट, इंट्रानेट और अन्य परिसर सॉफ्टवेयर का छात्रों द्वारा उपयोग किया जाता है। परिसर नेटवर्क एक स्विच आधारित नेटवर्क है जिसमें यूटीपी कैट–6 केबल हैं जो उच्च बैंड चौड़ाई और एक चिकनी परिचालन वातावरण प्रदान करती हैं। परिसर उपयोगकर्ता विंडोज आधारित ऑफिस सुइट्स स्प्रेड शीट, डेटा प्रबंधन, वर्ड प्रोसेसिंग और प्रस्तुति सॉफ्टवेयर सिस्टम उपयोग कर सकते है। इसके अलावा, छात्रों को कई भाषा प्रोसेसर, सांख्यिकीय, गणित प्रोग्रामिंग, सिमुलेशन, परियोजना प्रबंधन, प्रकरण, ईआरपी और क्लाइंट सर्वर डेटाबेस सॉफ्टवेयर पैकेज की पेशकश जो 12 से अधिक उच्च अंत नोड्स के साथ ब्लूमबर्ग प्रयोगशाला के द्वारा प्रदान की जाती हैं।

नेटवर्किंग : आईआईएमयू नेटवर्क का विस्तार शैक्षिक ब्लॉक के साथ छात्रों के हॉस्टल तक हैं। सम्पूर्ण नेटवर्क एक इकाई है। सभी स्थान कैट 6 के बुनियादी ढांचे के द्वारा वाई फाई के साथ साथ गीगाबिट इन्टरनेट लैन से सुसज्जित हैं। परिसर वाईफाई पूरी गतिशीलता के लिए समेकित गतिशील समाधान है। सभी हॉस्टल 250 एमबीपीएस उपकरणों के साथ उच्च अंत बाहरी रेडियों पुल के माध्यम से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक छात्रावास के कमरे में इनपुट/आउटपुट पोर्ट लेपटॉप को जोड़ने के लिए लगे है हालांकि वे साथ साथ वाईफाई का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

इंटरनेट : परिसर ऑप्टिकल फाइबर पर 1Gbps इंटरनेट लिंक के साथ बीएसएनएल से जुड़ा हुआ है। कटौती के समय और आपात स्थिति के मामले में टाटा इंडिकॉम की 5 एमबीपीएस की एक बैकअप लिंक भी हैं। समान कनेक्टिविटी हॉस्टल को रेडियो पुल के माध्यम से प्रदान की गई है। आईआईएमयू में सम्पूर्ण नेटवर्क एक यूटीएम बॉक्स के साथ सुरक्षित है। आईआईएमयू छात्रों को वीपीएन कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है जिसके अंतर्गत वे अपनी यात्रा के दौरान परिसर के आंतरिक संसाधनों के साथ साथ, अभिदत्त ई जर्नल्स का उपयोग अनुरोध के उपरांत वीपीएन कनेक्टिविटी के द्वारा कर सकते हैं। कानूनी अनुपालन के लिए सभी गतिविधियाँ और यातायात, बॉक्स के माध्यम से लॉग–इन किया जाता है।

प्रिंटर्स : कुछ उच्च अंत नेटवर्क प्रिंटर शैक्षिक ब्लॉक में और कुछ कम अंत नेटवर्क प्रिंटर छात्रों के लिए हॉस्टल में प्रदान किये गये हैं। छात्रों से प्रिंट की संख्या के आधार पर एक मामूली राशि वसुल की जाती है।

डोमेन : पूरे परिसर आईटी अवसंरचना का प्रबंधन एक केन्द्रीय डोमेन से होता हैं जो प्रमाणीकरण और प्राधिकरण के लिए जिम्मेदार है। गतिशील सिस्टम्स पर प्रिंटर की तैनाती के लिए समूह नीति का उपयोग

किया जाता हैं, जैसे ही वे डोमेन से जुड़ते हैं। प्रिंट साझा प्रिंटर के माध्यम से प्रदान किये जाते हैं और सर्वर द्वारा इसकी गणना का कार्य किया जाता हैं।
मेल : मैलिंग समाधान का परिनियोजन गुगल एप्प्स पर किया गया हैं और गूगल एप्प्स की सभी डिफ़ॉल्ट सुविधाएं छात्रों के लिए उपलब्ध है। इसमें मेल, गूगल ड्राइव, गूगल कैलेडर और भी बहुत कुछ शामिल है। जीमेल सर्वर के द्वारा मेल का अधिगम परिसर के भीतर या परिसर के बाहर से भी किया जा सकता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग : आईआईएमयू में सम्मेलन कक्षों के साथ साथ कक्षाओं में भी वीडियों कांफ्रेसिंग की सुविधा है जिसके द्वारा शिक्षकों और विश्व के अन्य लोगों के साथ संवाद किया जा सकता हैं। उपकरण स्काइप से कनेक्ट हैं जो उन व्यक्तियों को सुविधा उपलब्ध कराता हैं जो बाहर हैं।

माईक्रोसॉफ्ट परिसर अनुबंध : माइक्रोसॉफ्ट समझौते के तहत संपूर्ण परिसर आवरित किया गया है। सभी छात्रों को माईक्रोसॉफ्ट से नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम (व्यावसायिक संस्करण) के साथ साथ एम.एस. ऑफिस पैकज मिलता है इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट सर्वर संरचना को कनेक्ट करने के लिए कॉल (Call) प्रदान करता है। लगभग सभी पैकेज आईआईएमयू में एम एस विन्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ संगत है।

आईआईएमयू वैब : आईआईएमयू की वेब को छात्रों के समूह (कनेक्ट आई टी) के द्वारा प्रबंधित किया जाता है जो http://www.iimu.ac.in वेब पर जाकर प्रयोग किया जा सकता है।

आईआईएमयू में नेटवर्किंग नॉवेल नेटवेयर, टीसीपी / आईपी, यूनिक्स, लिनक्स और विंडोज एनटी सहित विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर आधारित है। लिनक्स और नॉवेल सर्वर फाइल, प्रिंट, ईमेल और इलेक्ट्रॉनिक नोटिस बोर्ड की तरह कई अन्य मूल्य संवर्धित सेवाएँ प्रदान करते हैं। परिसर के सर्वर में प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक खाता उपलब्ध कराया जाता है जो ईमेल की सुविधा के लिए उपयोग किया जाता है। कक्षाएँ उच्च अंत पीसी और कम्प्यूटर प्रक्षेपण प्रणालियों से लैस हैं। ये कम्प्यूटर परिसर नेटवर्क से जुड़े होते हैं जिसके माध्यम से प्रशिक्षक और छात्र सर्वर पर अपने खातों का उपयोग कर सकते हैं।

ब्लूमबर्ग लैब

ब्लूमबर्ग टर्मिनल के साथ एक प्रथम प्रयोगशाला परिसर में स्थापित की गई है जो स्टॉक और वित्तीय सहित गतिशील बाजार की जानकारी प्रदान करने लिए ब्लूमबर्ग नेटवर्क से जुड़ा है।

वित्त की दुनिण्या में, ब्लूमबर्ग डेटा सेवाओं को व्यापक रूप से इस्तेमाल और बेहद सम्मानित किया जाता है। 11 ब्लूमबर्ग टर्मिनल के साथ, आईआईएम उदयपुर देश में सबसे बड़ी ऐसी सुविधा की मेजबानी करता हैं। अपनी स्थापना के बाद से, प्रयोगशाला निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाती हैं।

- एक्सेल से लेकर पीडीएफ के रूप में वित्तीय जानकारी को पुनः प्राप्त करना।
- सार्थक पैटर्न पर पहुँचने के लिए ब्लूमबर्ग की अंतनिर्हित विश्लेषण संबंधी कार्यात्मकता का इस्तेमाल करना।
- ब्लूमबर्ग अभिवृत्ति परीक्षण (बैट) की तैयारी के लिए प्रशिक्षण आधार। हमारे छात्रों में से दो छात्रों का स्थान (अक्टूबर और नवम्बर 2013) एशिया प्रशांत में शीर्ष पांच के बीच हुआ है।

उद्योग संपर्क

श्री नीलेश नाईक एल एंड टी निवेश प्रबंधन ने म्युचुअल फंड उद्योग, विभिन्न उद्योग और ब्लूमबर्ग टर्मिनल का उपयोग करने वाले पेशेवरों को अवलोकन दिया। उदयपुर से बाहर आधारित आरएएस विश्लेषिकी के साथ आईआईएम उदयपुर ने गठजोड़ कर, छात्रों के एक समूह ने इन मशीनों का साप्ताहिक आधार पर लगातार उपयोग कर उनकी जीवंत परियोजनाओं को पूरा किया।

संकाय सदस्यों, छात्रों, अनुसंधान कर्मचारियों की सहायतार्थ भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर ने सॉफ्टवेयर खरीदे।

मेपल	मेपल सॉफ्टवेयर को एक कम्प्यूटर के माध्यम से मुख्यतः अर्थमितीय विश्लेषण और बीजगणित प्रणाली के लिए उपयोग करते है। इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग अर्थशास्त्र संकाय द्वारा भी किया जाता है।
मेट लेब	मेटलेब सॉफ्टवेयर का प्रयोग संख्यात्मक अभिकलन, दृष्यावलोकन और प्रोगामिंग के रूप में तथा विकासशील एलगोरिदम और गणितीय अभिकलन के लिए भी प्रयोग किया जाता है। इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग अनुसंधान संचालन में संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है।
सेस	सेस सॉफ्टवेयर का प्रयोग एक व्यापारिक विश्लेषिकी के सांख्यिकीय विश्लेषण में विभिन्न प्रकार के प्रयोग के लिए किया जाता है।
एस.पी.एस.एस.	सेस के समान, एस.पी.एस.एस. भी सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए, मुख्य रूप से प्रश्नावली विश्लेषण के लिए प्रयोग किया जाता है। सॉफ्टवेयर का उपयोग विपणन के संकाय सदस्यों, छात्रों और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा रणनीति, संचालन, प्रबंधन क्षेत्र में किया जाता है।
एमॉस	(एस.पी.एस.एस) एमॉस एक अलग से एस.पी.एस.एस. के लिए संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग के संचालन के लिए है।
टरनीटिन	टरनीटिन सॉफ्टवेयर साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए एक लोकप्रिय, विश्वसनीय सॉफ्टवेयर है। यह लगभग सभी संकाय सदस्यों द्वारा उनके पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोग किया जाता है।
मूडल	मूडल एक सर्वश्रेष्ठ सीखना प्रबंधन प्रणाली है इसका उपयोग अधिकांश संकाय सदस्यों द्वारा उनके पाठ्यक्रमों के लिए किया जाता है।
पुस्तकालय सॉफ्टवेयर	पुस्तकालय डाटा
एण्डनोट	ग्रंथसूची सॉफ्टवेयर का प्रयोग अधिकांश संकाय सदस्यों और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।

संख्या / नं. CRA-II(Exp.)/SAR/IIMU/2012-13
भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)
शाखा कार्यालय राजस्थान, जनपथ, जयपुर–302 005

सचिव,
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग
नई दिल्ली– 110001

विषयः– वर्ष 2012–13 के लिये भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर के खातों की पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट–

महोदय,

वर्ष 2012–13 के लिये भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर के वार्षिक खातों के साथ–साथ खातों की पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट सलंग्न की जा रही हैः–

1. मंत्रालय द्वारा संसद के पास प्रस्तुत करने हेतु भेजे जाने से पूर्व अंकेक्षित खातों एवं पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट पर विचार करने, उन्हे लागू करने एवं विधेयकों को पारित कराने के लिये संस्थान की उच्च प्रबन्ध कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।
2. अंकेक्षित खातों एवं पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट को संसद के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की दिनांक को कृपा कर सूचित करें। छपे हुए दस्तावेजों के पांच सेट (अंकेक्षण रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट एवं अंकेक्षित खातें) कार्यालय को भिजवाने की कृपा करे।
3. पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट का हिन्दी रूपान्तरण शीघ्र ही जारी किया जायेगा।
4. कृपा कर दस्तावेजों की रसीद की अभिस्वीकृति प्रदान करे।

सलंग्न उपरोक्तानुसार

भवदीय
ह0
उपनिदेशक
केन्द्रीय प्राप्ति अंकेक्षण–द्वितीय

नं. CRA-II(Exp.)/SAR/IIMU/2012-13/1414 दिंनाक 10.02.2014
प्रतिलिपि–
निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान,
मोहनलाल सुखाडिया परिसर,
उदयपुर–313001

टिप्पणियों के साथ आश्वस्त होना कि संस्थान की उच्च प्रबन्ध कार्यकारिणी की सामान्य वार्षिक बैठक मे अंकेक्षित खातों एवं प्रथम अंकेक्षण रिपोर्ट को लागू एवं उस पर विचार कर लिया गया है तथा अंकेक्षित खातो एवं उसकी रिपोर्ट के विधेयक पर विचार करने एवं उसे लागू करने के बारे मे सूचना इस कार्यालय को भेजी जा सकती है।

संलग्न–
1. पृथक अंकेक्षण रिपोर्ट की प्रति
2. अंकेक्षित खाते

उपनिदेशक
केन्द्रीय प्राप्ति अंकेक्षण–द्वितीय

<u>अंकेक्षण रिपोर्ट</u>

हमने भारतीय प्रबंधन संस्थान, उदयपुर (संस्थान) के संलग्न चिट्ठे एवं 31 मार्च 2013 की दिनांक को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये संलग्न आय एवं व्यय खाते का अंकेक्षण कार्य किया हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबन्धन का दायित्व है। हमारा दायित्व है कि हम, हमारे अंकेक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय प्रस्तुत करे।

भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अंकेक्षण मापदंडों के आधार पर ही हमने अपना अंकेक्षण कार्य संचालित किया हैं। इन मापदंडों की अपेक्षाओं के अनुसार हम अंकेक्षण की योजना एवं उसका संचालन इस प्रकार करते है ताकि इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक अयथार्थ विवरण से मुक्त हैं। एक अंकेक्षण कार्य में परीक्षण आधार की जांच, राशियों के समर्थन मे साक्ष्य एवं वित्तीय विवरणों के प्रकटन सम्मिलित रहते है। एक अंकेक्षण कार्य में, उपयोग मे लाये गये लेंखाकंन सिद्धान्तों का निर्धारण एवं प्रबन्धन द्वारा तैयार किये गये महत्वपूर्ण निर्धारण तथा कुल वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का निर्धारण भी सम्मिलित रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारा अंकेक्षण कार्य हमारी राय को पर्याप्त आधार प्रस्तुत करता है।

हम रिपोर्ट प्रस्तुत करते है किः–

1. हमने, हमारे ज्ञान एवं जानकारी अनुसार वे समस्त जानकारियां एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किये हैं, जो हमारे अंकेक्षण कार्य के लिये आवश्यक थे।
2. हमारी राय में, बहीखातों की जांच से प्रतीत होता है कि संस्थान द्वारा उचित बही खाते रखे गये है।
3. इस रिपोर्ट द्वारा व्यवहार मे लाये गये चिट्ठे तथा आय एवं व्यय खाता, बही खातों के अनुसार ही है।
4. हमारी राय में तथा हमारे ज्ञान के आधार पर एवं हमें उपलब्ध कराये गये स्पष्टीकरणों से जाहिर होता है कि उक्त समस्त खाते एवं विवरण सही एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते है तथा भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुरूप हैः
   (अ) चिट्ठे के मामले में, 31 मार्च, 2013 को संस्थान के कार्यो की स्थिति।
   (ब) आय एवं व्यय के मामले में, 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष पर आय से अधिक व्यय।

कृते– सौरब एस. इन्जीनियरिंग एण्ड कम्पनी
फर्म पंजीकरण संख्या 110417W
सनिधि लेखाकार

सनिधि लेखाकार चौकसी श्रेयास बी.
साझेदार
सदस्यता संख्या 100892
उदयपुर
अक्टुबर, 10, 2013